जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, गुरुवार 25 नवम्बर, 2021

मुख्यमंत्री

श्री अशोक गहलोत जी

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन

(3 करोड़ गौड़ सनाढ्य ब्राहाणों का वैश्विक संगठन)

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक

डॉ. महेश जोशी जी

को

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भूजल केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार

बनाए जाने पर राजस्थान के

यशस्वी जन नायक मुख्यमंत्री आदरणीय

श्री अशोक गहलोत जी

का आभार एवं संपूर्ण

भारतवर्ष के 3 करोड़ से अधिक

गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण बंधुओं की ओर से

हार्दिक अभिनंदन

श्री अनुराग शर्मा

राष्ट्रीय संयोजक

श्री महेश जोशी (मुंबई)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री विजय बसावतिया (मुंबई)

वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री देवी शंकर शर्मा (जयपुर)

प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान

श्री हरि शर्मा (जयपुर)

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री विनोद शर्मा (जयपुर)

प्रदेश महामंत्री राजस्थान

■ संरक्षक: श्री रामविलास जी शर्मा (हरियाणा), श्री रतन शर्मा (गुवाहाटी), श्री केदार शर्मा (राजस्थान), श्री डी.डी. शर्मा (मुंबई), श्री सुभाष शर्मा (कोलकाता), श्री नंदकिशोर मिश्रा (कोलकाता), श्री परमेश्वर दयाल शर्मा (हैदराबाद), एडवोकेट श्री श्रीकिशन शर्मा (हैदराबाद) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (जयपुर, राजस्थान) : श्री अरविन्द मिश्र, श्रीमती प्रिया गौड, एडवोकेट राजेश महर्षि, श्री मोहन लाल सुरोलिया, एडवोकेट कमलेश शर्मा, श्री अविनाश जोशी, एडवाकेट सुशील शर्मा, श्री दिनेश शर्मा, श्री सचिन शर्मा, श्री आर के वशिष्ठ, श्री विजय शंकर तिवाड़ी, श्री संदीप शर्मा, श्रीमती सुनीता भारद्वाज, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती मालती सुरोलिया, श्रीमती कोशल्या गौड़, श्री पंकज शर्मा, श्री पवन गौड़, श्री राकेश चौमाल ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (मुंबई, महाराष्ट्र) : श्री मदन लाल शर्मा, श्री मुरारी लाल तिवाड़ी, श्री अमित शर्मा, श्रीमती कुसुम शर्मा, श्री ओमप्रकाश कावड़िया, श्री अशोक रावत, श्री पवन दंड, श्री पवन कुमार शर्मा, श्री दिनेश शर्मा ■ श्री महेन्द्र शर्मा (सूरत, गुजरात), श्री प्रीतम शर्मा (सूरत, गुजरात), श्री हरीश शर्मा (बडौदा, गुजरात), श्री नरेश शर्मा (अहमदाबाद, गुजरात), श्री भंवर लाल गौड़ (बडोदा, गुजरात) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (कोलकाता, बंगाल): श्री अनिल मिश्र, श्री अशोक सहल, श्री पी डी लाटा, श्री प्रवीन शर्मा, श्री योगेश व्यास ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (हरियाणा) : श्री अशोक बुचौली, श्री सुनील मुदगल, श्री नरेश शर्मा ■ श्री सुरेश लाटा (हैदराबाद, तेलंगाना), रामबाबू कौशिक (हैदराबाद, तेलगाना) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (दिल्ली) श्री एम पी शर्मा, श्री बालकिशन मुदगल, श्री गिरीश व्यास ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (बंगलोर) : श्री राधेश्याम शर्मा, श्री नंदकिशोर शर्मा, श्री मुकेश शर्मा ■ श्री रितेश शर्मा (धनबाद, झारखंड), अमित शर्मा (रांची, झारखंड) ■ श्री अजय व्यास (लुधियाना, पंजाब), श्री रिंकू शर्मा (चंडीगढ़, पंजाब) ■ श्री संजय शर्मा (छत्तीसगढ़) ■ श्री डी आर शर्मा (इंदौर, एम.पी.) ■ श्री मनीष मोरोलिया (बनारस, यू.पी.), श्री शशिकांत वशिष्ठ (लखनउ, यू.पी.) ■ श्री कुलदीप कौशिक (हरिद्वार, उत्तराखंड) ■ श्री विमल शर्मा (दुबई), श्री सुभाष कौशिक (सिंगापुर)

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें 7877775510

विचार बिन्दु

संसार के विरुद्ध खड़े रहने के लिए शक्ति प्राप्त करने की जरूरत नहीं है। ईसा दुनिया के खिलाफ खड़े रहे, बुद्ध भी अपने जमाने के खिलाफ गए, प्रहलाद ने भी वैसा ही किया। ये सब नम्रता के धनि थे। अकेले खड़े रहने की शक्ति नम्रता के बिना असंभव है। –महात्मा गाँधी

बाल अपराधों की बढ़ती संख्या खतरे का संकेत

बाल-अपराधों की बढती संख्या देश के भविष्य के लिए खतरे का संकेत है। जब किसी व्यक्ति द्वारा मान्य नियमों का पालन नहीं किया जाता तब अपराध की समस्या पैदा होती है, फिर चाहे वह अपराध हो या बाल-अपराध। बाल अपराधी का तात्पर्य उस बच्चे से है जो आदत के रूप में अपनी निराशाओं को समाज विरोधी कार्यों अथवा हिंसा के रूप में प्रदर्शित करता है। पिछले कुछ वर्षों में टीन एजर्स में अपराधिक प्रवृति में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है जो चिंता का विषय है। नेशनल ज्यूडिशियल डाटाग्रिड और नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार एक साल में नाबालिगों द्वारा अंजाम दी गई आपराधिक घटनाओं में 842 हत्या, 981 हत्या का प्रयास, 725 अपहरण शामिल है। इसी भांति चोरी की 6081, लूट की 955 और डकैती की 112 घटनाएं शामिल हैं।

हाल के वर्षों में आपराधिक वारदातों में टीन एजर्स के लिप्त होने का ट्रेंड बढ़ रहा है। देश के कानून में नाबालिगों के लिए थोड़ी नरमी बरती गई है। बच्चों और नाबालिगों के लिए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत मामूली या कम सजाएं होती हैं। इसका फायदा उठाकर अपराधी भी बड़ी संख्या में बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार देश के 7 राज्यों में ऐसे अपराधों की संख्या बढ़ी है। नेशनल ज्यूडिशियल डाटाग्रिड और नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में हत्या, अपहरण, लूट, डकैती, चोरी जैसी 29,768 आपराधिक वारदातें ऐसी थीं, जिनमें 74,124 नाबालिगों की संलिप्तता पाई गई। टीन एजर्स द्वारा आपराधिक वारदातों की बात करें तो इसमें टॉप पर मध्य प्रदेश है, जहां 4819 घटनाओं में बच्चों की संलिप्तता थी। 4079 ऐसी वारदातों के साथ महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर, 3394 वारदातों के साथ तमिलनाडु, तीसरे नंबर पर, 2455 वारदातों के साथ दिल्ली, चौथे नंबर पर है। वहीं 5वें नंबर पर राजस्थान (2386), छठे नंबर पर छत्तीसगढ़ (2090) और सातवें नंबर पर गुजरात (1812) है। खासतौर पर 16 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा जघन्य अपराध करने की घटनाएं बढ़ी हैं। आरोपियों में ज्यादातर 16 साल से कम उम्र के थे। 2019 में अपराधों की संख्या 29,022 थी।

देश के कुछ राज्यों में अपराधियों द्वारा उगाही, हत्या, अपहरण व अन्य अपराधों के लिए बच्चों का इस्तेमाल हो रहा है। पिछले साल 700 से अधिक अपहरण की वारदात के पीछे नाबालिग अपराधी थे। जबकि 6 हजार से अधिक चोरी की वारदात में बच्चे आरोपी थे। आंकड़े बताते हैं कि आपराधिक वारदात में लिप्त ज्यादातर नाबालिग प्राइमरी तक ही पढ़े होते हैं। दुनियाभर में बाल अपराधों की बढ़ती संख्या से लोग चिंतित हैं।

बाल अपराधियों की संख्या गांवों की अपेक्षा शहरों में अधिक है। जहाँ तक इनके दण्ड की बात है तो कोर्ट यह मानता है कि इस उम्र के बच्चे अगर जल्दी बिगड़ते हैं और उन्हें अगर सुधारने का प्रयत्न किया जाए तो वह सुधर भी जल्दी जाते हैं, इसीलिए उन्हें किशोर न्याय सुरक्षा और देखभाल अधिनियम 2000 के तहत सजा दी जाती है।

मारपीट और अपमान बहुधा बालक को अपराध की राह पर ले जाता है। घर में वातावरण प्रेमपूर्ण होना चाहिए दूसरे बालक की जिज्ञासाओं के समाधान में बड़ी सावधानी की आवश्यकता है कोई बात पूछने पर बालक को झिझक दिया जाए या उससे झूठ बोल देने पर प्रभाव बडा बुरा पडता है। बहुधा बालकों से यौन जिज्ञासाओं के विषय में झूठ बोल दिया जाता है। बालक जब अपने साथियों या घर के नौकरों से सही बात कर पाता है तब उन पर माता-पिता का झूठ खुल जाता है। बच्चों के प्रति बढ़ते अपराधों की सबसे मुख्य वजह मौजूदा दौर में एकल परिवार है। माता-पिता बच्चों का ध्यान पूरी तरह से नहीं रख पाते, ऐसे में मासूम अपराध का शिकार हो जाते हैं। साथ ही कम उम्र होने के चलते बच्चे अपने साथ होने वाले अपराधों को बता नहीं पाते, जिसका समाज में घूम रहे अपराधी किस्म के लोग फायदा उठाते हैं।

बाल अपराध रोकने में सबसे अहम रोल पुलिस का होता है, लेकिन सूबे के थानों में किशोर सेल तो बना है, पर इस सेल को देखने और सुनने वाला कोई पुलिस अधिकारी तैनात नहीं है। देश में बाल अपराध रोकने के लिए जे जे एक्ट सहित पास्को एक्ट तक है, लेकिन इस धाराओं को लागू करा पाने में अक्सर पुलिस नाकाम नजर आती है।

कई शोध रिपोर्टों के मुताबिक बहुत से मामले ऐसे भी हैं जहाँ बच्चे घरेलू तनाव के कारण अपराध कर देते हैं। इनमें एक कारण गरीबी और अशिक्षा भी है। भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक पिछले बीस सालों के अपराध के आंकड़े बताते हैं कि भारत के कुल रिकॉर्डिड अपराधों में से लगभग एक प्रतिशत नाबालिग अभियुक्त हैं। बाल अपराधियों की संख्या गावों की अपेक्षा शहरों में अधिक है। जहाँ तक इनके दण्ड की बात है तो कोर्ट यह मानता है कि इस उम्र के बच्चे अगर जल्दी बिगड़ते हैं और उन्हें अगर सुधारने का प्रयत्न किया जाए तो वह सुधर भी जल्दी जाते हैं, इसीलिए उन्हें किशोर न्याय सुरक्षा और देखभाल अधिनियम 2000 के तहत सजा दी जाती है। भारत में बाल न्याय अधिनियम 1986 (संशोधित 2000) के अनुसर 16 वर्ष तक की आयु के लड़कों एवं 18 वर्ष तक की आयु की लड़कियों के अपराध करने पर बाल अपराधी की श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

हमारे देश में बाल अपराधियों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। बाल अपराधों की बढती संख्या भविष्य के लिए खतरे का संकेत हैं। बच्चे भविष्य की धरोहर है, लेकिन सामाजिक कमजोरियों और सरकार के ढुलमुल रवैये के चलते हमारी यह धरोहर लगातार पतन के रास्ते आगे बढ़ती जा रही हैं। बाल अपराधों की बढ़ती संख्या हमारे समाज के माथे एक ऐसा कलंक है जिससे तत्काल निजात पाने की जरुरत है। जो बच्चे अपराधी बन गये उनमें सुधार कर उन्हें अच्छा नागरिक बनाया जाये, यह भी अत्यंत आवश्यक है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रकाश जैसा सत्य और लखीमपुर से लाल किले तक बिखरी धुंध

- **आज़ाद भारत के सबसे बड़े आंदोलन में छह सौ से ज्यादा किसान शहीद हो गए**
- **यह आत्ममुग्ध होने का नहीं बल्कि महंगाई थामने और रोजगार बढ़ाने का समय है**

बकौल सरकार के वे किसान आन्दोलन में प्रकाश जैसा सत्य किसानों को नहीं समझा पाए और परिणाम स्वरूप उन्हें ये तीनों विवादास्पद तीन कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या सचमुच ये कृषि कानून इतने उजले चमकदार और क्रिस्टल क्लीयर थे? क्या यह उजाला इतना साफ था कि किसानों को इन कानूनों को न समझा पाने के लिए सरकार को माफी मांगने के लिए विवश होना पड़ा? अब सरकार किसानों से संवाद कर क्या नए मसौदों की रूपरेखा बनाएगी? क्या सरकार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण करने की संवैधानिक और बाध्यकारी कानून बनाएगी? क्या किसान आन्दोलनों के दौरान मारे गए किसानों को मुआवजा दिया जाएगा?

लाल किले से लखीमपुरखीरी तक बिखरे पड़े हैं अन्त हीन कंटीले, तीखे और चुभते हुए प्रश्न। एक वर्ष से लगातार सड़कों पर हर तरह के मौसम की मार झेल रहे किसानों को भले ही प्रधानमंत्री की तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा से राहत मिली हो लेकिन चुनावी मौसम में सरकार के लिए अब भी रास्ता सुगम नहीं हुआ है। तीनों कृषि कानून वापस ले लिए गये हैं। यह नई बात नहीं है। अगर सरकार की बात करें तो उनके यह तीसरा अवसर है, जब विधेयक वापस लिये गये हैं। प्रधानमंत्री के स्तर पर इस तरह की माफी नई बात भी नहीं है। आपातकाल लगाने के लिए फैसले पर इंदिरा गांधी तो आम जन तक पहुंची और बाद में कांग्रेस ने माफी भी मांगी थी।

जब से कृषि कानून आये, तब से ही देश दो तरह के लोगों में विभक्त हो गया। पहले ऐसे लोग, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों के समर्थक थे दूसरे ऐसे लोग, जिन्हें हर हाल में भाजपा और नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। इन दोनों ही तरह के अधिकांश लोगों में एक कॉमन बात यह थी कि इन लोगों को इन तीन कृषि कानूनों के सम्बंध में कोई गम्भीर और विशेष जानकारी नहीं थी। ये लोग कृषि बिल, किसानी और एमएसपी जैसे शब्दों के अर्थों को समझे बगैर ही 'मोदी है तो मुमकिन है' की टेर लगाए थे या मोदी है तो कुछ नहीं हो सकता लेकिन 19 नवम्बर को मोदी जी बिल वापसी की घोषणा ऐसे उनके ऐसे समर्थक लोगों के लिए निराशा-हताशा भरी रही। कुछ तो पक्के अवसाद में ही चले गए हैं, हम भारतीय लोग ऐसा करते भी हैं। यह संयोग ही है कि जिस दिन पीएम ने क्षमा मांगी, वह इंदिरा गांधी का जन्मदिन था।

इस पूरे घटनाक्रम से एक बात जो देश की जनता को समझ आ जानी चाहिये, वह यह है कि गलती की माफी होती है जो अच्छी बात है और यह उनका कार्य भी है लेकिन इस धारणा से बचें कि वे जो करेंगे, वो सही ही होगा। यह धारणा अव्वल तो लोकतंत्र के ही खिलाफ है। क्यों न हम जिसे वोट देते हैं, उसके हर फैसले में जवाबदेही की उम्मीद करें। किसी के प्रति श्रद्धा और समर्पण सवाल पूछने की ताकत छीन लेता है। हमें यह याद रखना चाहिये कि हमारे पास जो वोट देने का अधिकार है, वह बेमियादी नहीं है।

कल नरेंद्र मोदी के यू-टर्न के बाद भौंचक्का हुआ है भाजपा-परिवार। किसी विचार से जुड़ना गलत नहीं है, लेकिन अपना अस्तित्व दावं पर लगा देना ठीक नहीं कहा जा सकता। 19 नवम्बर को जो हश्र हुआ है, वह भारतीय मतदाता समाज के लिए एक नज़ीर है।

अब भी समय है अपने नेताओं के हर कदम, कर्म और कार्य को आंख बंद करके न तो स्वीकार करें और न अस्वीकार। सदा उसे कसौटी पर रखें। कम से कम बिना जाने-समझे हाँ में हाँ तो मिलाइये ही मत। आदत डालिये कि सवाल पूछने आएं।

मैं उस किसानों की कौम को नमन करना चाहता हूँ जो घर से ये कहकर निकली थी कि या तो कानून रद्द कराकर घर लौटेंगे या फिर मरकर। इस जज्बे से प्रेरित होकर ही हरियाणा के किसान और कुछ देर बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान साथ हो लिये। किसान आन्दोलन भारत के इतिहास में ही नहीं दुनिया के इतिहास में लिखा गया है जिसने फतह हासिल किये बिना मैदान नहीं छोड़ा। पूरी दुनिया के किसानों के लिये ये बहुत बड़ी खबर है और बहुत बड़ा असर भी। इस आन्दोलन से बलबीर सिंह राजोवाल जैसे प्रखर नेता निकले। इससे राकेश टिकैत जैसे राष्ट्रीय कद के नेता मिले जिसने मीडिया की हवा निकाल कर उनको उनकी औकात बता दी। इससे अन्य किसान नेता निकले। युद्धवीर सिंह, चढ़ूनी साहब, पुष्पेन्द्र जी, दर्शन पाल, सुनीलम आदि।

मगर सिर्फ कृषी कानून रद्द होने से बात खत्म नहीं हो जाती। मसला कृषि उपज मूल्य के निर्धारण, उसको कानूनी सुरक्षा, बिजली बिल, पराली बिल, आने वाले सभी कृषि कानूनों में किसानों की सहमति आदि मुद्दे भी सैटल होने हैं। आन्दोलन में मृत किसानों को शहीद का दर्जा और उचित मुआवजा भी लेना होगा। आन्दोलन स्थल पर शहीद स्मारक भी बनना चाहिए। किसानों पर लगे मुकदमे वापस होने हैं। ये सब किसान संगठनों की मांगे हैं। टिकैत ने ऐलान कर दिया है आन्दोलन जारी रहेगा कानून रद्द होने तक इंतजार करते रहेंगे। वो कहते हैं इस मात से तिलमिलाये सत्ताधारी आगे कुछ भी कर सकते हैं। अन्नदाता को आतंकवादी, खालिस्तानी कहने वालों को कैसी माफ़ी?

असल में यह जितनी लोकतंत्र की जीत है उतनी ही हार के डर की जीत भी है। आगामी विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ दल उत्तर प्रदेश हार कर अपने सिर से मोर मुकुट उतरते हुए नहीं देखना चाहता। इसीलिये जिसे वे आन्दोलनजीवी कह कर अपमानित करते थे उसे किसान के हल-बखर के सामने पर अपना मुकुट रख दिया है।

सत्ता और उसके वरद हस्त से फलते-फूलते मीडिया और अंध भक्तों की अक्षोहिणी सेना ने साल भर किसान आंदोलन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। फिर भी इक्का-दुक्का हिंसक घटनाओं के अलावा यह आंदोलन एक नज़ीर बन कर उभरा।

जिस अन्नदाता को आन्दोलनजीवी कह कर एक प्रकार से गाली दी गई, जिन मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायकों ने किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, चीन, पाकिस्तान परस्त कहा, उनका हाल अब कैसे होगा? अपने ही देशवासी धरती पुत्रों, पुत्रियों को देशद्रोही कहने वालों का गुनाह क्या इसलिये माफ़ कर दिया जाएगा कि अब क़ानून वापस लेने का ऐलान हो गया है? आज़ाद भारत के सबसे बड़े आंदोलन में छह सौ से ज्यादा किसान शहीद हो गए। उनकी शहादत को क्या कोई सभ्य समाज और लोकतांत्रिक राष्ट्र राज्य इसलिये भूल जाए कि अब देश के सरकार ने माफी मांगने की घोषणा कर दी है? फ़िलहाल कृषि क़ानून वापस लेने के फ़ैसले का स्वागत करते हुए यह नहीं भूलना चाहिये कि वर्तमान सत्ता और सरकार की राह कठोर फैसलों पर बहुत आगे बढ़ चुकी है। ऐसे फैसलों पर जनता के मन में भारी संशय लगातार बना हुआ है। सत्ता और उसके समर्थक करारी मात से भीतर तक तिलमिलाए हुए हैं। यह आत्ममुग्ध का समय नहीं है बल्कि जनता की भावनाओं को पढने और गलतियों को सुधारने का समय है, मंहगाई थामने और रोजगार बढ़ाने का समय है। किसान अब किसी भ्रम में नहीं रहना चाहता उसे अपनी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना ही चाहिए।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यिकार, शिक्षाविद और चिन्तक

डालमेशियन पेलिकन लालसोट के मोरेल बांध को कर रहा गुलजार

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र में किसानों की लाइफ लाइन कहे जाने वाले ढूंढाड क्षेत्र के सबसे बड़े कच्चे मोरेल बांध को इस समय संकटापन्न श्रेणी का डालमेशियन पेलिकन गुलजार कर पर्यटक को एवं स्थानीय लोगों को खुद की ओर आकर्षित कर रहा है। सुबह के समय इस पेलिकन कि जल अठखेलियां अनायास ही लोगों को खुद की ओर आकर्षित कर रही हैं। संकटापन्न श्रेणी के डालमेशियन पेलिकन काऊ वैसे तो मोरेल बांध में पिछले साल से आगमन हुआ है लेकिन इस बार भारी संख्या में यह पक्षी मोरेल बांध में खुद की उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

- **सौ से ज्यादा की संख्या में मौजूद है पेलिकन, पर्यटकों के लिए बने आकर्षण का केंद्र**
- **पक्षी करीब 3 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत में प्रवास के सुरक्षित स्थानों पर आते हैं**

लालसोट के मोरेल बांध में दिखा संकटग्रस्त श्रेणी के डालमेशियन पेलिकन का झुंड।

बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर पक्षी विद एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुभाष पहाड़िया ने बताया कि डालमेशियन पेलिकन मोरेल बांध में करीब सौ से भी ज्यादा की संख्या में दो झुंड में देखा गया है। उन्होंने बताया कि बांध में अब तक दर्जनों प्रजातियों के हजारों पक्षियों ने मोरेल बांध में खुद की उपस्थिति दर्ज कराई है। डॉ पहाड़िया ने बताया कि इस बांध में स्वच्छ जल होने के कारण यहां पर विश्व के विभिन्न भागों से प्रवासी पक्षियों का आगमन हो चुका है। पक्षी विद डॉक्टर पहाड़िया ने बताया कि साइबेरिया यूरोप एवं मध्य एशिया के ठंडे प्रदेशों में जहां शीतकाल में बर्फबारी होने के कारण डालमेशियन पेलिकन भारत में अपेक्षाकृत गर्म प्रदेशों में प्रवास करता है। पहाड़िया ने बताया कि पेलिकन को सामान्य भाषा में हवासिल भी कहा जाता है। यह पक्षी करीब 3 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत के प्रवास पर सुरक्षित स्थानों पर आते हैं। डॉक्टर पहाड़िया ने बताया कि डालमेशियन पेलिकन दक्षिणी पूर्वी राजस्थान के स्वच्छ जल स्रोतों नदी तालाब और बांधों में सर्दी के दिनों का प्रवासी पक्षी है। इस पेलिकन पक्षी का भार 9 से 15 किलो एवं मादा पक्षी का भार 5 किलो तक होता है एवं अपने शरीर में अत्यधिक भार होने पर भी यह पक्षी पेलिकन लगातार हजारों किलोमीटर हौसले की उडान भर लेते हैं।

तोलियासर में मृत्युभोज बंद करने का निर्णय लिया

तोलियासर स्कूल में सहयोग राशि का चेक सौंपते शेखावत परिवार के सदस्य।

सुजानगढ़, (निसं)। तोलियासर गांव में एक परिवार ने मृत्युभोज बंद करने का निर्णय लिया है। तोलियासर निवासी राजेन्द्र सिंह शेखावत व नरेंद्र सिंह शेखावत ने अपनी माता सोहन कंवर के निधन पर मृत्युभोज बन्द करने का साहसिक व सामाजिक निर्णय करते हुए अपनी माताजी की पुण्यस्मृति में इक्कीस हजार रुपये राउमावि तोलियासर के विकास के लिए दान किये वहीं गौशाला में भी गुप्तदान करने की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि उनकी माताजी के निधन पर स्टाफ सदस्यों के साथ शोक व्यक्त करने गए प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल ने परिजनों को मृत्यु भोज बन्द करने व पुण्य स्मृति में विद्यालय,गौशाला व गरीब परिवार की कन्याओं की शादी में दान करने के लिए प्रेरित किया। इस सुझाव से प्रेरित होकर शेखवात बन्धुओं ने अपने पुत्र भँवरसिंह, भवानीसिंह व पौत्र सूर्यपाल सिंह हरिओमसिंह व विरेन्द्रसिंह राठौड बिठूडा को भेज कर प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल को विद्यालय विकास के लिए इक्कीस हजार रुपये भेंट किये। इस अवसर पर बुधरमल रोलन, श्रीकृष्ण, रिछपाल सहारण, बाबूलाल, परमेश्वरलाल, भंवरलाल प्रजापत, धर्मपाल भेरी भी उपस्थित रहे।

- **21 हजार रुपये राउमावि तोलियासर के विकास के लिए दान किये**

राशिफल गुरूवार 25 नवम्बर, 2021

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, पुष्य नक्षत्र सायं 6:49 तक, शुक्ल योग प्रात: 7:57 तक, गर करण प्रात: 6:58 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और गुरू पुष्य योग सूर्योदय से सायं 6:49 तक है। रवियोग सायं 6:44 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 4:43 से शुक्रवार सायं 5:13 तक रहेगी। आज छींट छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:17 तक, चर 10:55 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 2:51 तक, शुभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना ठीक रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुसंदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन शुभ है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन
व्यावसायिक/व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

प्रकृति की गोद में पशुपालकों को मिलेंगी शहरी क्षेत्र की सभी सुविधाएं

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर प्रदेश ही नहीं देश की अनूठी योजना तैयार हो चुकी है जो पशुपालकों को प्राकृतिक माहौल के बीच शहरी क्षेत्र की सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में कोचिंग सिटी जल्द केटल फ्री शहर भी बनने जा रहा है। नगर विकास न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि पशुपालकों को एक ही जगह पर सभी सुविधाएं प्रदान किए जाने ओर कोटा शहर को पशुओं से मुक्त और पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार करने के उद्देश्य से बनाई गई देवनारायाण योजना का कार्य अब अतिम दौर में है। योजना के तहत 738 आवासों का मय बाड़े, चारा स्टोर की सुविधा के साथ निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही देवनारायण योजना में पशुपालकों उनके परिवारों के लिए पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा, गोबर गैस संयंत्र पुलिस चौकी, प्रशासनिक भवन आदि की सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रही है यही नहीं पशुपालकों के लिए सामुदायिक भवन, बच्चों के लिए स्कूल, चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय जैसी सभी सुविधाएं भी दी जा रही है। पशुओं के लिए तालाब, खुला चारागाह, विचरण के लिए प्रतिकूल जगह भी उपलब्ध हैं।

नगर विकास न्यास के विशेष विशेषाधिकारी आरडी मीणा ने बताया कि देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना देश की अनूठी योजना हैं जो देश की अन्य पशुपालकों की योजनाओं का अध्ययन करने के बाद अन्य योजनाओं से बेहतर बनाया गया है। इन पशुपालकों द्वारा पशुओं का दूध दोहने के बाद विचरण करने हेतु सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाता था। शहर की व्यस्त सड़कों पर पशुओं के विचरण से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। यही नहीं सड़कों पर पशुओं के विचरण से यातायात में भी व्यवधान आता है। इस समस्या के निदान के लिए पहले कोटा में सर्वे किया गया योजना पशुपालको उनके परिवारों का शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास करेगी और दूसरे राज्यों के लिए उदाहरण बनने जा रही है।

योजना मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा की पालना में मुख्यमंत्री द्वारा 17 अगस्त 2020 को इस परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। राजस्व ग्राम धर्मपुरा एवं बंधा की 105.09 हैक्टेयर भूमि पर बनी यह योजना घनी आबादी से दूर है । योजना के तहत पशुपालकों के लिए 738 आवासीय भूखण्डों (35 फीट गुणा 90 फीट के 380 आवास 35 फीट गुणा 70 फीट क का निर्माण किया गया है । पिछले भाग में लगभग 40 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 2 कमरे, रसोईघर, शौचालय, स्नानघर बरामदा एवं चारास्टोर की सुविधा से युक्त आवास का निर्माण किया गया है पशुओं के लिए शेड का निर्माण किया गया है। जिसमें भूखण्ड के क्षेत्रफल के अनुसार 18 से 20 या 26 से 28 पशुओं के पालने की क्षमता होगी। योजना में आवासीय भूखण्डों के अतिरिका डेयरी उद्योग, भूसे गोदाम, खलचूरी गोदाम के साथ सामान्य व्यावसायिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं।

योजना में विद्यालय भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सालय, सामुदायिक भवन, सोसायटी कार्यालय, पुलिस चौकी जीएसएस, पानी की टंकियां, सीवर लाइन, पार्क, नाली, सड़कें, एसटीपी, पशुमेला मैदान, दुग्ध मण्डी एवं रंगमंच आदि का भी निर्माण किया किया गया है। यहाँ लगभग 15000 पशुओं से प्राप्त गोबर के निस्तारण हेतु न्यास द्वारा बायोगैस संयंत्र की स्थापना की जा रही है जिसका कार्य जल्द हो जाएगा। बायोगैस संयंत्र से गोबर की दुर्गंध से मुक्ति मिलेगी तथा पशुपालकों को बायोगैस संयंत्र को गोबर के विक्रय से अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त होगी। बायोगैस संयंत्र से गोबर के निस्तारण के साथ-साथ खाद एवं बायोगैस का भी उत्पादन भी होगा। पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते सामाजिक सरोकार निभाते हुए इस योजना को लाया गया है।

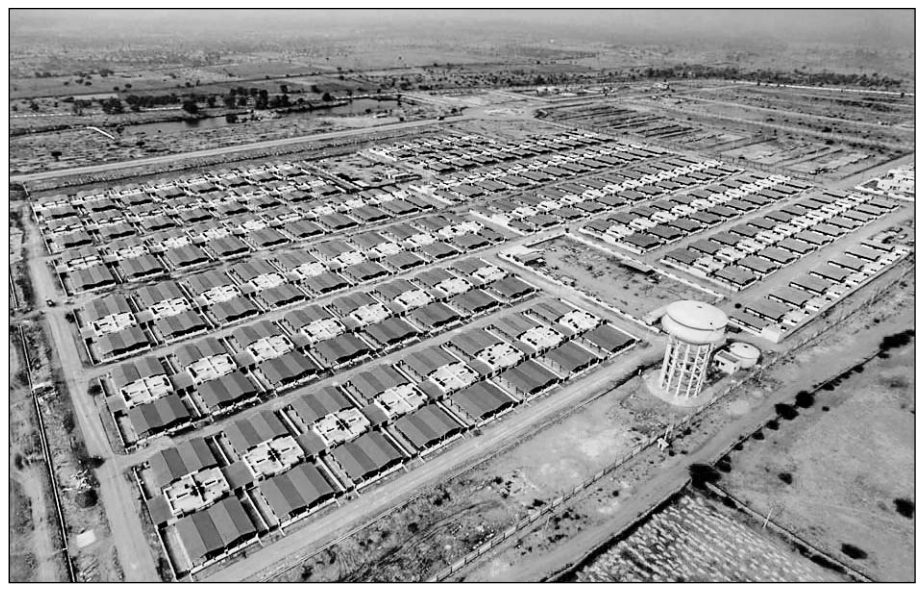

कोटा में पशुपालकों के लिए प्रदेश का पहला हाईटेक कस्बा तैयार हो रहा है।

- **जल्द मिलेने जा रही है देवनारायण आवासीय योजना की सौगात निर्माण कार्य अंतिम दौर में**

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 24 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरुवार 25 नवम्बर, 2021 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

कर्लू पक्षी को विलुप्ति से बचाने का एक नया प्रयास शुरू हुआ है वेल्स में। इस जलपक्षी का वेल्स के लोकसाहित्य तथा संस्कृति में स्थान बहुत महत्वपूर्ण व दिल के करीब है। इस पक्षी की ''कॉल'' को बसंत के आगमन का सूचक माना जाता है। तथापि, इन वेडिंग बड्र्स की संख्या घटकर इतनी कम हो गई है कि, इनको विलुप्ति से बचाने के लिए एक बहुत बड़ी योजना बनाई गई है, जिसमें कई संरक्षण समूह, कृषि समुदाय तथा वैल्श सरकार शामिल है। देश में इस समय अनुमानतः 400 प्रजनन करने वाले जोड़े ही बचे हैं। इतना ही नहीं, माना जा रहा है कि यह संख्या भी छः प्रतिशत प्रति वर्ष की रफ्तार से घट रही है। इसका भी वही चिरपरिचित कारण है, आवास का विनाश। इसके अलावा लोमड़ी व कौओं द्वारा इनके चूजों का भक्षण भी एक बड़ा खतरा है। इनके संरक्षण के लिए बनाई गई दस वर्षीय योजना के तहत, उन स्थानों को चिन्हित किया जाएगा जहाँ कर्लू सरवाइव करते हैं तथा लक्ष्य बनाकर संरक्षण के तरीके शुरू किए जाएंगे, जैसे, घास व अजोत भूमि का अधिक प्रभावी प्रबंधन। नैशनल रिसोर्सेज़ वेल्स संगठन की चीफ एग्ज़िक्यूटिव, क्लैर पिलमैन ने कहा, ''जब मैं बच्ची थी तब हमारे परिवार के फार्म पर ये पक्षी नियमित रूप से आते थे। हमने इन पर कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परन्तु बसंत के अग्रदूत इन पक्षियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। वेल्स की पक्षी संरक्षण प्राथमिकताओं में ये पक्षी सबसे ऊपर हैं।''

राजस्थान हाऊस में डोटासरा व पायलट की एक घंटे लम्बी मुलाकात हुई

मुलाकात में पी.सी.सी. में होने वाली तब्दीलियों व अन्य राजनीतिक नियुक्तियों पर चर्चा हुई

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और सचिन पायलट ने प्रदेश कांग्रेस और अन्य लम्बित राजनीतिक नियुक्तियों में बदलावों पर विचार-विमर्श करने के लिए दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस में करीब एक लम्बी मीटिंग की।

डोटासरा ने कल सोनिया गांधी और के.सी. वेणुगोपाल से भेंट की थी और आज सुबह उन्होंने राजस्थान के ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव अजय माकन से मुलाकात की।

शाम को सचिन पायलट से मुलाकात करने के बाद डोटासरा जयपुर के लिए रवाना हो गए।

मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद राजनीतिक नियुक्तियों के अगले चरण के अगले दिन या शीघ्र ही शुरु होने की उम्मीद है।

- **राजनीतिक नियुक्तियों का अगला चरण अगले एक-दो दिन में शुरू हो जाएगा तथा 39 जिलाध्यक्षों की सूची में से 14-15 अध्यक्षों के नाम घोषित हो जायेंगे।**
- **इन नामों पर आम सहमति व रजामंदी हो गयी है। अतः बाकी जिला अध्यक्षों की सूची, और विचार विमर्श के बाद, सहमति बनने के बाद जारी की जायेगी।**
- **डोटासरा को यह जिम्मेवारी सौंपी गयी है कि, सरकार दिसम्बर में तीन साल पूरे करने जा रही है। अतः अब आराम से बैठकर संगठन में रिक्त स्थानों की पूर्ति को पैंडिंग नहीं छोड़ सकता। उदाहरण के लिये, तीन उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री बनाया जा चुका है, अतः रिक्त हुए स्थान शीघ्र ही भरे जाने चाहिये।**

सूत्र बताते है कि पायलट और डोटासरा ने शीघ्र ही शुरु किए जा रहे संगठनात्मक बदलावों, 39 जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों और प्रदेश कांग्रेस में होने वाले बदलावों को लेकर विचार-विमर्श किया।

समझा जाता है कि करीब 14 से 15 जिला अध्यक्षों की लिस्ट अगले एक-दो दिन में जारी कर दी जाएगी। ये वे सीटें हैं जिन पर समझौता और सर्वानुमति है। शेष सीटों की घोषणा अगले विचार-विमर्श और नामों पर सर्वानुमति बनने के बाद की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तीन उपाध्यक्ष कैबिनेट मंत्री बन चुके हैं। उनके रिक्त पद भी भरे जाने हैं।

एक सीनियर नेता ने बताया कि डोटासरा का कहना है। सरकार दिसम्बर में अपने कार्यकाल के तीन साल पूर्ण कर रही है और अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए सिर्फ दो ही वर्ष बचे हैं। अतः सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठकर रिक्त पदों को लम्बित नहीं रख सकती। उन्होंने कहा कि सभी रिक्त पदों और राजनीतिकि नियुक्तियों की घोषणा बिना किसी विलम्ब के शीघ्र ही की जाएगी। समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए एक संतुलन स्थापित किया जा रहा है, जो डोटासरा की शीर्ष प्राथमिकता होगी।

मुसलमानों को लुभाने के प्रयास में भाजपा ने एस.पी., बी.एस.पी. व कांग्रेस को पीछे छोड़ा

पसमन्दा मुसलमानों के लिये ''हुनर हाट'' आयोजित किये गये हैं, गोरखपुर, बनारस आदि शहरों में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। स्वीकृत राजनैतिक मान्यताओं के बीच एक दृढ़ विचार यह है कि भाजपा का मुस्लिम वोट बैंक से केवल इतना ही सरोकार है कि वह इनके जरिये बहुसंख्यक हिन्दुओं में पार्टी के पक्के जनाधार को एकजुट करती है।

चुनावाधीन उत्तर प्रदेश में घटित हो रही गतिविधियाँ इसका संकेत हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस या ए.आई.एम.आई.एम. के नेताओं से उलट भाजपा के प्रचार-प्रबंधक पूरी शिद्दत एवं सोच के साथ ''पसमंदा मुस्लिमों तक पहुँचे हैं। विभिन्न स्थानों, जिनमें गोरखपुर तथा वाराणसी भी शामिल हैं, पर पसमंदा मुसलमानों के लिये ''हुनर हाट'' तथा दस्तकार-शिविर तथा ऐसे ही अन्य शिविर लगाये गये हैं, जहाँ शिल्पकारों तथा कारीगरों को 1500 रु. की

- **इन कारीगरों को पन्द्रह सौ रूपये की आर्थिक मदद प्रदान की गई है इन हाटों में।**
- **चार पसमन्दा मुसलमानों को राज्य के कुछ बोर्ड व कॉरपोरेशन में मनोनीत भी किया गया है।**
- **2005 में जद (यू) नेता अली अनवर अंसारी ने लालू की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का साथ छोड़ कर नीतीश के जद (यू) को समर्थन दिया, जिससे लालू की पार्टी चुनाव हार गयी थी, क्योंकि उनके मुस्लिम-यादव कॉम्बिनेशन में भी दरारें आ गयी थीं, जो अभी तक पूरी तरह से भरी नहीं जा सकी हैं।**

वित्तीय सहायता दी जा रही है। भाजपा की योजना है कि इसी प्रकार के आयोजन राज्य के सभी जिलों में किये जायेंगे।

हाल ही के महीनों में कम से कम चार पसमंदा मुस्लिम इस दिशा में विचार-विमर्श करने की दृष्टि से मनोनीत किये गये हैं। ये हैं- डॉ. इफ्तिख़ार अहमद जावेद को मदरसा बोर्ड का चेयरमैन, अशरफ सैफी को राज्य अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन, अतीफ राशिद को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन बनाया गया है। पिछले कुछ सप्ताहों में, शाहनवाज़ हुसैन तथा देवेन्द्र प्रधान सहित तीन शीर्ष वरिष्ठ भाजपा नेता पार्टी के लिये उनका समर्थन माँगने के लिये पसमंदाओं के बीच पहुँच रहे हैं तथा इस वास्ते वे ग्रामीण उत्तर प्रदेश के गली-मौहल्लों, सड़कों और पगडंड़ियों की धूल फाँक रहे हैं।

1998, जब जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व नेता अली अनवर अंसारी ने ''ऑल इंडिया पसमंदा मुस्लिम मरकज़'' की लॉन्चिंग की थी, से पहले ''पसमंदा'' शब्द अस्तित्व में नहीं था।

2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में जब पसमंदा मुसलमानों के कुछ वर्ग राष्ट्रीय जनता दल से अलग होकर नीतीश कुमार के जे.डी. (यू.) के समर्थन में आ गये थे, तो लालू प्रसाद न केवल चुनाव हार गये थे, बल्कि उनके जाने-माने मुस्लिम-यादव (एम.वाई.) जनाधार में ऐसी दरारें पड़ गई थीं, जो आज तक नहीं भर पाई हैं। भाजपा बिहार पसमांदा मॉडल को उत्तर प्रदेश में दोहराना चाहती है।

कृषि कानून फेल क्यों हुए?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को रद्द किए

- **जाने-माने एक्टिविस्ट वरूण मित्रा के अनुसार, क्योंकि ''कृषि सुधार'' कार्यक्रम लागू करते समय संसदीय प्रणाली की पूरी अवहेलना की गयी, अतः दादागिरी का रास्ता अपनाने से पूरी नीति ही फेल हो गयी है, क्योंकि जितना महत्वपूर्ण सुधार कार्यक्रम है, उतना ही महत्व उसके क्रियान्वयन के लिये अपनायी गयी प्रणाली का भी है।**

जाने पर बरूण मित्रा कहते हैं कि अपेक्षित परिणाम के बजाए, अपनाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ममता बनर्जी से मिले, उनकी प्रशंसा के कसीदे गाये

सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, वे ममता बनर्जी को जे.पी., मोरारजी देसाई, राजीव गांधी, चन्द्रशेखर और पी.वी. नरसिम्हा राव की श्रेणी में आंकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कभी इस पार्टी में तो कभी उस पार्टी में जाने के लिए मशहूर भाजपा सांसद डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी 82 वर्ष की उम्र में भी अपनी राजनैतिक हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं।

बुधवार को अपरान्ह 3.30 बजे, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के साथ, उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी के सरकारी निवास पर, मीटिंग करके भाजपा में सनसनी फैला दी।

कोई नहीं जानता है कि डॉ. स्वामी की ममता के साथ हुई मीटिंग तथा एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल धनकड़ के साथ हुई मीटिंग का परिणाम क्या होगा, लेकिन हर व्यक्ति को यह लगा जरुर रहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के लिये संकट पैदा कर सकते हैं क्योंकि मोदी ने उनको दरकिनार कर रखा है तथा उन्हें भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी तक से हटा दिया है।

उनकी आगे की संभावनाओं को लेकर अटकलें और अनुमान जरुर लगाये जा रहे हैं क्योंकि यही डॉ. स्वामी थे, जिन्होंने स्वर्गीय जयललिता की सोनिया गांधी के साथ मीटिंग कराके, वाजपेयी सरकार गिरा दी थी।

- **डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी का राज्यसभा में कार्यकाल 2022 में समाप्त हो रहा है तथा उनके ममता समर्थक के नये अवतार का कारण क्या एक बार और राज्यसभा का सदस्य बनने की इच्छा से प्रेरित है?**
- **पर, भाजपा फिर भी आशंकित है, उनके इस आचरण से, क्योंकि उन्होंने जयललिता व सोनिया गांधी की मुलाकात कराकर वाजपेयी सरकार को गिराने का इंतजाम करवाया था।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, ममता बनर्जी से मिलने से एक दिन पहले उन्होंने राज्यपाल धनखड़ से भी मुलाकात की थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चालीस लाख रूपए का हर्जाना

जयपुर, 24 नवंबर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने इलाज में लापरवाही के कारण हुई एक महिला की मौत के मामले में अलवर के विजय हॉस्पिटल और डॉ. विजयपाल सिंह पर 40 लाख 42 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने परिवाद व्यय के तौर पर 25 हजार रुपए अतिरिक्त अदा करने के आदेश देते हुए परिवाद दायर करने की तिथि से हर्जाना राशि पर नौ फीसदी ब्याज भी देने को कहा है। यह आदेश विक्रम सिंह व अन्य के परिवाद पर दिया गया।

परिवाद में विक्रम सिंह ने कहा कि उसकी पत्नी कुसुम

- **राज्य उपभोक्ता आयोग ने यह हर्जाना अलवर के विजय हॉस्पिटल व डॉ. विजयपाल सिंह पर ठोका, इलाज में लापरवाही बरतने के मसले पर।**

के पेट में दर्द होने पर 7 सितंबर 2015 को डॉ. विजयपाल को दिखाया था और चिकित्सक ने पेट में पथरी बताते हुए ऑपरेशन की बात कही थी।

सर्जन चिकित्सक ने मरीज को भूखे पेट स्वयं ही एनेस्थीसिया दे दिया, जबकि वह एनेस्थीसिया विशेषज्ञ नहीं था। वहीं भूखे पेट रहने के चलते मरीज की हालत बिगड़ गई। इसके अलावा अस्पताल में आईसीयू की सुविधा भी नहीं थी, जिसके चलते अंतिम क्षणों में मरीज को दूसरे अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिवाद में कहा गया कि चिकित्सक की लापरवाही के चलते मरीज की मौत हुई है।

क्या मंत्री का दर्जा दिए बिना भी मुख्यमंत्री के सलाहकारों का पद लाभ का माना जा सकता है?

क्या इसी कारण संसदीय सचिवों की नियुक्ति को अटका कर रखा गया है!

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में मंत्रिमंडल में पुनर्गठन के बाद 6 विधायकों को सलाहकार नियुक्त करने का मामला भाजपा द्वारा राज्यपाल के समक्ष उठाए जाने और इस पर राज्यपाल की के सरकार से जवाब मांगने के बाद संसदीय सचिव के मनोनयन का मामला अटक सकता है। कारण यह है कि भाजपा ने इस मामले को पोस्ट ऑफ प्रॉफिट बताते हुए नियुक्तियों को असंवैधानिक बताया है और कहा है कि इसे कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

दरअसल राजस्थान से पहले पंजाब में भी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों को सलाहकार नियुक्त किया था। और साथ ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया था। इस कारण से इसे लाभ के पद मानते हुए विपक्षी दलों ने आपत्ति की थी कि ऐसा करने से संवैधानिक अधिकारों का हनन हुआ है, क्योंकि संसद में पारित कानून के अनुरूप 15 प्रतिशत विधायक ही मंत्री पद का दर्जा पा सकते हैं। हालांकि राजस्थान में अभी तक 6 सलाहकारों को कैबिनेट या राज्य मंत्री का दर्जा नहीं दिया गया है। इसलिए राज्य सरकार यह कहकर इस मामले से अलग हो सकती है कि सिर्फ सलाहकार नियुक्त किए गए

- **इसलिए ही अभी तक सलाहकारों को किसी तरह का दर्जा नहीं दिया गया है?**

हैं,इन्हें किसी तरह का दर्जा नहीं दिया है और इसलिए ऐसे में यह लाभ के पद नहीं माने जा सकते हैं।

भाजपा की ओर से सलाहकारों की नियुक्ति पर विरोध जताने के बाद में संसदीय सचिवों को लेकर देखना होगा कि कांग्रेस सरकार क्या रुख अपनाती है ,क्योंकि दिल्ली में केजरीवाल सरकार द्वारा अतिरिक्त संख्या में संसदीय सचिवों की नियुक्ति का मामला न्यायालय में गया था और सभी विधायकों की सदस्यता रद्द कर गई थी।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में सरकार मुख्यमंत्री के सलाहकार बनाए गए 6 विधायकों और संसदीय सचिवों को लेकर क्या रुख अपनाती है। वही इस विरोध के बीच सलाहकार विधायकों के साथ में मुख्यमंत्री गुरुवार को बैठक करने वाले हैं।

उल्लेखनीय है कि उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के पत्र में संविधान के अनुच्छेद 164 (1), अनुच्छेद 191 (1) और अनुच्छेद 246 का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री सलाहकार या संसदीय सचिवों की नियुक्ति को असंवैधानिक बताया गया था। साथ ही यह तक कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो भाजपा इस मामले में कोर्ट की शरण तक ले सकती है। फिलहाल, राठौड़ का पत्र राजभवन पहुंचने के बाद राजभवन के स्तर पर इस मामले में मुख्य सचिव से जानकारी मांगी गई है।

उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, बाबूलाल नागर, राजकुमार शर्मा, संयम लोढ़ा, रामकेश मीणा और दानिश अबरार को रविवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में नियुक्ति दी गई थी।

संसद के लिये रणनीति

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अगले सप्ताह सोमवार से शुरु हो रहे संसद सत्र के लिए रणनीति बनाने को लेकर यहां गुरुवार को एक मीटिंग बुलाई है।

हाल ही अपनी विदेश यात्रा से लौटे पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सदन में पार्टी के विपक्ष एवं पटल के नेता उन

- **सोनिया गांधी ने गुरूवार को राहुल गांधी, कांग्रेस की ओर से नियुक्त विपक्ष के नेताओं की बैठक आहूत की, कांग्रेस का रूख तय करने के लिये, विशेषकर प्र.मंत्री द्वारा एक राष्ट्रीय पैनल गठित करने के प्रस्ताव पर, जो कृषि नीति में सुधार लाने पर सुझाव देगा।**

मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिन पर पार्टी को 23 दिसम्बर तक चलने वाले संसद सत्र के दौरान ध्यान केन्द्रित करना है।

पार्टी को यह निर्णय करना है कि प्रधानमंत्री द्वारा कृषि सुधारों पर गौर करने के लिए एक पैनल गठित करने का प्रस्ताव गत शुक्रवार को राष्ट्रीय प्रसारण में दिए जाने पर किस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीए-बीएसटीसी विवाद: हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला आज

करीब नौ लाख युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले में सभी को फैसले का इंतजार है

जोधपुर, (कासं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में शिक्षक भर्ती पात्रता परीक्षा रीट के लेवल-1 में बीएड-बीएसटीसी को लेकर उपजे विवाद से जुड़े मामले की अहम सुनवाई बुधवार को पूरी हो गई है। इस पर फैसला अब गुरुवार को आएगा। हाईकोर्ट में आज इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी और न्यायाधीश सुदेश बंसल की खंडपीठ में सुनवाई हुई। पिछले दो दिनों से समय अभाव के कारण अधूरी रही सुनवाई को आज पूरा कर लिया गया।

करीब नौ लाख युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले पर फैसले का अब सभी को इंतजार है। बता दें कि इस विवाद के चलते लेवल-1 का नतीजा अभी तक घोषित नहीं किया जा सका है। हाईकोर्ट ने 26 सितम्बर को आयोजित रीट परीक्षा से चंद दिन पूर्व लेवल-1 परीक्षा में बीएड डिग्रीधारकों को सशर्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की थी। साथ ही कहा था कि उनका रिजल्ट याचिका के निपटारे के अधीन रहेगा। यानी हाईकोर्ट के आदेश के बगैर ऐसे अभ्यर्थियों का रिजल्ट घोषित नहीं किया जा सकेगा।

लेवल-2 का रिजल्ट घोषित किया जा चुका है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी और न्यायाधीश सुदेश बंसल की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। इसको लेकर दायर याचिकाओं में बीएसटीसी अभ्यर्थियों की तरफ से लेवल-1 से बीएड डिग्रीधारकों को बाहर रखने का आग्रह किया गया। साथ ही एनसीटीई को नोटिफिकेशन को भी चुनौती दी हुई है। यह नोटिफिकेशन ने बीएड धारकों को लेवल-1 में शामिल करने का प्रावधान करता है। वहीं बीएड डिग्रीधारकों की तरफ से कहा जा रहा है कि लेवल-1 शिक्षक भर्ती के वे भी समान पात्र है।

वर्ष 2018 में एनसीटीई ने अपने विशेष सर्कुलर के मार्फत बीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रारम्भिक शिक्षा में कक्षा एक से पांच तक बीएसटीसी पास अभ्यर्थियों के समान ही अध्यापक बनने के योग्य करार दिया है, लेकिन राजस्थान सरकार ने इस सर्कुलर के विपरीत केवल बीएसटीसी पास अभ्यर्थियों को ही रीट परीक्षा लेवल एक में बैठने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ मामला हाईकोर्ट में लंबित है।

उलटफेर की तैयारी, सरकारी स्कूल्स में स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर होंगे टीचर्स

प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल्स में जहां अधिक शिक्षक हैं उन्हें हटाया जाएगा

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग में एक बार फिर बड़े फेरबदल की तैयारी हो रही है। राज्य के जिन प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल्स में बच्चों की संख्या कम है और टीचर्स जरूरत से अधिक हैं, उन्हें हटाया जाएगा। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय ने स्टाफिंग पैटर्न और समानीकरण के लिए आज से प्रोसेस शुरू कर दिया है। पहले स्कूल्स के स्टूडेंट्स और टीचर्स की संख्या ली जा रही है। विभाग की साइट पर ये डाटा अपलोड करने होंगे कि स्कूल में कितने स्टूडेंट्स है और कितने टीचर्स हैं। इसके बाद आठ से ग्यारह दिसम्बर तक जरूरत से अधिक टीचर्स को अन्यत्र स्कूल में भेजा जाएगा।

स्कूल में स्टूडेंट्स एडमिशन का आंकड़ा विभाग की साइट शाला दर्पण पर ऑनलाइन अपडेट करना होगा। इसके बाद एनआईसी की ओर से स्टाफिंग पैटर्न को शाला दर्पण पोर्टल पर लाइव किया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि कितने स्टूडेंट्स पर कितने टीचर्स स्कूल में रहेंगे। जिले के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एक दिसम्बर तक हर स्कूल का डाटा चैक करेंगे और बाद में इसे लॉक करेंगे।

विभाग उन टीचर्स की लिस्ट जारी करेगा, जो स्कूल में छात्र संख्या के मुकाबले ज्यादा हैं। ऐसे टीचर्स की बकायदा लिस्ट जारी होगी। इन टीचर्स को सीधे इधर-उधर भेजने के बजाय काउंसलिंग के माध्यम से अन्य स्कूलों में भेजा जाएगा। काउंसलिंग के लिए भी टीचर्स को इधर-उधर नहीं जाना बल्कि ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षा विभाग ने बीकानेर के संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर दिया है जो राज्यभर में हो रहे समानीकरण पर नजर रखेगी। इस कमेटी में शाला दर्पण प्रकोष्ठ के उप निदेशक, , बीकानेर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, निदेशालय के प्रारम्भिक शिक्षा के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, शाला दर्पण के अनुभाग अधिकारी को शामिल किया गया है। इसके अलावा शैक्षिक अनुभाग, बजट अनुभाग और संस्थापन अनुभाग के अधिकारी को भी शामिल किया गया है। शिक्षा विभाग को इस बार शहरी स्कूल्स में पद बढ़ाने भी पड़ सकते हैं। दरअसल, कोरोना के कारण सरकारी स्कूल्स में बड़ी संख्या में बच्चों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में इन स्कूल्स में टीचर्स भी बढ़ाने पड़ सकते हैं। खासकर महात्मा गांधी स्कूल्स में बच्चों की संख्या में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। वहीं हिन्दी माध्यम के स्कूल में भी स्टूडेंटस बढ़ गए हैं।

- आठ से ग्यारह दिसम्बर तक टीचर्स को अन्यत्र स्कूल में भेजा जाएगा
- शिक्षा विभाग ने संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में की कमेटी गठित

रीट मामले में 1888 पेज की एसओजी ने चार्जशीट की पेश

रीट नकल प्रकरण की चार्ज शीट पर हस्ताक्षर करते कार्यवाहक थानाधिकारी शिवचरण शर्मा।

गंगापुर सिटी, (नि.स)। रीट नकल प्रकरण में गंगापुर सिटी कोतवाली थाने में दर्ज हुए प्रकरण में एसओजी ने 27 आरोपियों को गिरफ्तार कर 24 नबंबर को 26 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। जिसमें 1888 पेज की चार्जशीट थी जो जिले की अब तक की सबसे बडी चार्जशीट हैं। वहीं एक नाबालिग आरोपी को बाल न्यायालय में पेश किया। एसओजी के एएसपी सतबीर सिंह यह चार्जशीट लेकर गंगापुर सिटी कोतवाली पहुंचे और कोतवाली के कार्यवाहक थानाधिकारी शिवचरण शर्मा के साथ न्यायालय पहुंचकर यह चार्जशीट पेश की। शर्मा ने बताया की चार्जशीट के प्रत्येक पेज पर हस्ताक्षर करने में हीं दो पेन की स्याहीं खत्म हो गई। आरोपियों पर एसओजी की ओर से अनुसंधान जारी हैं। एसओजी के एएसपी सतबीर सिंह ने एसीजीएम कोर्ट में यह चार्जशीट पेश की थी। चार्जशीट को लेकर गंगापुर सिटी में दिनभर चर्चा रहीं।

सड़क दुर्घटना में तीन युवाओं की मौत

पिण्डवाड़ा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम नया सानवाड़ा के फोरलेन सड़क मार्ग पर अलसुबह निजि बस व पिकप की ओवरटेक की चक्कर में भीषण सड़क दुर्घटना घटित हो गई। जिसमें एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, तो दो युवाओं की उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस थाना हैड कॉनिस्टेबल हरीदास वैश्णव के अनुसार सिरोही से पिण्डवाडा की तरफ बस व पिकप आ रहे थे कि नया सानवाडा फोरलेन सड़क पर ओवरटेक के चक्कर में पिकप पटल गई। जिसमें पिकअप में सवार जोराराम पुत्र हटाजी मेघवाल (25) निवासी सुराणा-जिला जालोर की मौके पर ही मौत हो गई। वही दिनेश कुमार पुत्र पद्मााराम मेघवाल (28) निवासी सुराणा व प्रवीण पुत्र चन्द्रपाल (20) दरियापुर प्रदेष हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों घायलों को एम्बलेंस के जरीये सिरोही रैफर किया गया। लेकिन दिनेश कुमार से सिरोही में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वही प्रवीण ने जोधपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वही इससे पूर्व घटना घटित होने पर ग्रामीणों की भारी भीड जमा हो गई।

बारां एसीबी ने घूसखोर थानाधिकारी व कांस्टेबल को दबोचा

सात हजार की रिश्वत लेते महिला थाने का कांस्टेबल व थानाधिकारी गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। सवाई सिंह गोदारा उप महानिरीक्षक पुलिस प्रथम भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर व ठाकुर चन्द्र शील कुमार पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा रेंज कोटा के निर्देशन में बारां एसीबी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बूंदी महिला थाने के कांस्टेबल सुरेश जाट व महिला थाना अधिकारी अंजना नोगिया को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बारां गोपाल सिंह कानावत ने बताया कि परिवादी ने 18 नवम्बर को एसीबी चौकी बारां पर लिखित शिकायत पेश की थी कि परिवादी की पत्नी बून्दी में रहती है। परिवादी का उसकी की पत्नी से विवाद चल रहा है। परिवादी की पत्नी ने उसके के खिलाफ महिला थाना बून्दी में रिपोर्ट कर रखी है। महिला थाना बून्दी से परिवादी को थाने पर बुलाया गया जहां परिवादी से उसके खिलाफ रिपोर्ट में राजीनामा लिखवाने व मामले को रफा दफा करने के लिये थानाधिकारी महिला थाना बून्दी अन्जना नोगिया व

थानाधिकारी अंजना नोगिया।

एसीबी टीम की गिरफ्त में घूसखोर कांस्टेबल सुरेश जाट।

कांस्टेबल सुरेश जाट द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई। जिस पर 19 नवम्बर को शिकायत का गोपनीय सत्यापन करवाया गया।

सत्यापन के दौरान महिला थाना बून्दी पर पदस्थापित कांस्टेबल सुरेश जाट द्वारा परिवादी से उसकी रिपार्ट पर राजीनामा करवाने के लिये थानाधिकारी महिला थाना के नाम से दस हजार रूपये रिश्वत की मांग की गई। बुधवार को ट्रेप कार्रवाई का आयोजन किया गया। ट्रेप कार्रवाई के दौरान आरोपी कांस्टेबल सुरेश जाट को कार्रवाईकी भनक लगने पर कांस्टेबल ने परिवादी से प्राप्त रिश्वत की राशि को एसीबी टीम को देखकर थाने की छत पर जाकर बिल्डिंग के पीछे फैंक दिया। रिश्वत राशि गवाहान की उपस्थित में महिला थाना बून्दी की बिल्डिंग के पीछे से बरामद की गई। महिला थानाधिकारी अंजना नोगिया को पूछताछ के लिये गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक ट्रेप की कार्रवाई जारी थी।

हरियाणा में झुंझुनूं की 40 गाड़ियों को एक साथ पकड़ा

अवैध रूप से राजस्थान से हरियाणा वनों से हरी लकड़ी काटकर ले जा रहे थे

सूरजगढ़, (निसं)। प्रदेश का वन विभाग किस लापरवाही से काम कर रहा है। इसका उदाहरण भी बुधवार को ही सामने आ गया। जब हरियाणा में सीएम फ्लाइंग ने राजस्थान की करीब 40 गाड़ियों को अवैध हरी लकड़ियों के साथ जब्त कर लिया । इनमें पिकअप और ट्रेक्टर ट्रॉली शामिल है। जो अधिकतर राजस्थान के झुंझुनूं जिले की हैं। हरियाणा की सीएम फ्लाईंग टीम के इंसपेक्टर आजादसिंह ने बताया कि उनकी टीम ने अवैध रूप से राजस्थान से लाई जा रही लकड़ियों की गाड़ियों को करीब 40 पिकअप और कुछ ट्रैक्टर जब्त किए गए। मौके पर फॉरेस्ट विभाग के रेंज ऑफिसर को भी बुलाया गया और उन पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जा रही है।

- अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

हरियाणा में सीएम फ्लाईंग ने राजस्थान की करीब 40 गाड़ियों को जब्त किया।

उन्होंने बताया कि बार-बार शिकायतें मिली थी कि राजस्थान से हरे पेड़ों को काटकर सिंघानी गांव में लाकर बेचा जा रहा है। उस पर यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किया गया था। हम आपको बता दें कि सिंघानी गांव राजस्थान सीमा के नजदीक है और यहां पर काफी लंबे समय से हरी लकड़ियों का अवैध कारोबार होता है।

राजस्थान से पिकअप गाड़ियों में भरकर हरे पेड़ों को सिंघानी गांव में बेचा जा रहा है और यह पर्यावरण के लिए खतरा है। इसकी सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग ने छापामारी की तो इसमें करीब 40 गाड़ियों को जब्त किया गया है। अब इन गाड़ियों को सीज कर पर्यावरण कोर्ट का चालान किया जाएगा और सख्ती बरती जाएगी।

सेना का हौसला बढ़ाने जैसलमेर आएंगे अमित शाह और राजनाथ सिंह

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत पाकिस्तान सीमा पर बसा जैसलमेर जिला सेना के दो बड़े आयोजनों का साक्षी बनेगा । सेना का मनोबल बढाने उन आयोजनों में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिरकत करेंगे । भारत के दोनों बड़े पदों पर आसीन व्यक्तियों के जैसलमेर यात्रा को लेकर आयोजन स्थलों पर तैयारियां तेज हो गई हैं । दरअसल सेना इन दिनों अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख और कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश तक में जमकर सैन्य अभ्यास कर रही है । ये सेना का वार्षिक सैन्य अभ्यास है जिसे एक्सरसाइज विद ट्रूप्स कहा जाता है ।

सेना के इस सबसे बड़े अभियान का जैसलमेर में 26 नवंबर को समापन होगा । सेना के सबसे बड़े युद्धाभ्यास के समापन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसलमेर आएंगे तथा सेना का मनोबल बढ़ाएंगे। इस बार एक दिसंबर को बीएसएफ का स्थापना दिवस समारोह इंटरनेशनल बार्डर के जैसलमेर जिले में आयोजित होगा। जैसलमेर में इसके लिए शहर के बीचों बीच बने पूनम स्टेडियम का चयन किया गया है । इस कार्यक्रम में बीएसएफ़ का मनोबल बढ़ाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जैसलमेर आएंगे । गौरतलब है कि सीमा सुरक्षा बल की स्थापना के बाद पहली बार दिल्ली से बाहर जैसलमेर के शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में करीब तीन घंटे का कार्यक्रम होगा। इसमें जवान अपने साहसिक कारनामे दिखाएंगे। इस दौरान डॉग शो और राइजिंग परेड होगी । बीएसएफ ने समारोह की तैयारियां प्रारंभ कर दी है । बताया जा रहा है कि इसका आयोजन 1 दिसम्बर को होगा।

चुनाव में तो अभी दो साल है, मैं तो लोगों का दु:ख-दर्द बाटने आई हूं : वसुन्धरा राजे

जयपुर/राजसमंद, (कासं.)। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा कि उनका कार्यक्रम चुनाव का आगाज नहीं है।चुनाव में तो अभी दो साल है । मैं तो लोगों का दु:ख-दर्द बाटने आई हूँ। कोविड और बहू के गम्भीर बीमार होने के कारण वे अपनो से नहीं मिल पाई थी । जो लोग हमेशा के लिये जुदा हो गये थे,उन्हें श्रद्धाजलि नहीं दे पाई थी। इसलिए उन्होंने यह कार्यक्रम बनाया । इसको राजनीती से नहीं जोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग इस कार्यक्रम को राजनीतिक रूप देना चाह रहे हैं उनको मैं यह बात ज़रूर कहना चाहूँगी कि आने वाला समय भाजपा का ही है। अब राजस्थान में भाजपा का ही परचम फहरेगा । उन्होंने कहा कि देश में फिर से मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाने को देश की जनता आतुर है। राजे चारभुजा, द्वारकाधीश, एकलिंग जी और नाथद्वारा में बोल रही थी।

वसुंधरा राजे सिंधिया बुधवार को चारभुजानाथ के तथा द्वारीकाधीश के दर्शन कर क्षेत्र व प्रदेश के खुशहाली की कामना की। इससे पहले राजे का हेलिकॉप्टर मोराणा चौराहे के समीप बनाए गए अस्थाई हेलीपैड पर उतरा। जहां कोटा पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, पूर्व मगरा विकास बॉर्ड अध्यक्ष व यात्रा प्रभारी हरिसिंह रावत, युथ सोशल केयर फाउडेशन संस्थान सचिव निरज राणावत, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, भाजपा युवानेता चन्द्रभानसिंह सोलंकी, सरदारगढ सरपंच प्रवीण मेवाडा, बाली विधायक पुष्पेंद्रसिंह राणावत, पूर्व मंत्री ओटाराम देवासी, मारवाड जंक्शन पूर्व विधायक केसाराम चौधरी, पिंडवाडा पूर्व विधायक सोमाराम, पूर्व जिला प्रमुख प्रवेशकुमार सालवी, भाजपा नेता राजेन्द्र मेवाडा, अनोपसिंह, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल, जिपस नरेन्द्र बागडी, चारभुजा पूर्व सरपंच नाथूलाल विकास, महिला मोर्चा पाली अध्यक्ष अनुसूया चारण, युवा सोशल केयर फाउंडेशन संस्थान कोषाध्यक्ष राकेश, विजयसिंह, कमल, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री महेंद्रसिंह शेखावत सहित पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

दोनों डोज लगाने के बाद भी खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

जोधपुर, (कासं) । शहर के मंडोर इलाके में रहने वाला एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव मिला है। सबसे बडी बात है कि इस खिलाड़ी को कोविड की दोनों खुराक दी जा चुकी हैं । शहर में इस तरह का यह पहला केस बताया जाता है। खिलाड़ी जोधपुर से बाहर भी जाने वाला था। इससे अब जिला प्रशासन सकते में है। फिलहाल खिलाड़ी युवक बीएसफ अस्पताल में आइसोलेटेड है। जोधपुर में पिछले पन्द्रह दिनों में कोविड का यह चौथा केस है। इससे पहले जैसलमेर से आए दम्पति और रिटायर डॉक्टर पॉजिटिव आए थे । बताया जा रहा है कि महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती दंपती को छुट्टी शीघ्र दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार बीएसफ मंडोर रोड निवासी 27 वर्षीय एक खिलाड़ी युवक को दोनों वैक्सीन लग चुकी है। दो दिन पहले पॉजिटिव आए रिटायर डॉक्टर को भी दोनों वैक्सीन लगी थी। इसके चलते कोरोना के गंभीर लक्षण नहीं दिखे। इधर जैसलमेर से आए दम्पती में महिला को वैक्सीन नहीं लगी होने के कारण उसे ऑक्सीजन पर रखा गया था लेकिन अब हालात में सुधार है। एमजीएच अधीक्षक राजश्री बेहरा ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में दो मरीज ही भर्ती हैं।

घोड़े हीरा की देखभाल पर हर माह खर्च हो रहे डेढ़ लाख रुपये

श्रीगंगानगर, (निसं)। ढाई करोड़ के घोड़े हीरा की डाइट पर हर महीने डेढ लाख रू का खर्च आता है । यह घोड़ा एक बार में 50 लीटर दूध पी जाता है। श्रीगंगानगर में इन दिनों चल रहे घोड़े के मेले में सबसे ज्यादा चर्चा हीरा की है। ये घोड़ा पदमपुर के इकबाल सिंह का है। इकबाल सिंह पिछले 9 साल से इसकी देखरेख कर रहे हैं। इकबाल सिंह का दावा है कि मेले में आए सभी घोड़ों में हीरा की ऊंचाई सबसे ज्यादा है। आमतौर पर घोड़े की ऊंचाई 160 सेंटीमीटर होती है, जबकि इसकी ऊंचाई 170 सेमी के करीब है। हर महीने हीरा के खान-पान और देखभाल पर डेढ़ लाख रुपए का खर्च आता है। उसे घी पिलाया जाता है और हफ्ते में दो बार दूध पिलाया जाता है।

इकबाल सिंह बताते हैं कि हीरा मारवाड़ी नस्ल का है। इसके पैर मजबूत हैं। डाइट में इसे चना, जौ, दूध, मूंगफली का नीरा दिया जाता है। गर्मी में सरसों और सर्दी में तिल का तेल देते हैं। इससे इसका डाइजेशन अच्छा रहता है। आंतें चिकनी रहती है और घोड़े की स्किन पर चमक आती है। इकबाल घोड़े के शौकीन हैं। वे कॉटन फैक्ट्री के मालिक हैं और खेती भी करते हैं। नौ साल पहले उन्होंने हीरा को पाला था। साढ़े तीन साल की उम्र से उसकी डाइट का ध्यान रखा जा रहा है। इसकी कद-काठी देखकर राजस्थान और यूपी के घोड़ों के शौकीन ढाई करोड़ रुपए ऑफर कर चुके हैं। इस घोड़े के अब तक 200 से ज्यादा बच्चे हो चुके हैं। इस ब्रीड की डिमांड खूब है। इसके बच्चे भी ज्यादा हाइट वाले हैं।

इसी मेले में सवा करोड़ रुपए का घोड़ा राज दिलावर भी आया है। इसके मालिक लालराज सिंह बताते हैं कि उनका घोड़ा रत्नाकर ब्लर लाइन ब्रीड का है। उन्होंने इसकी कीमत सवा करोड़ रुपए तय की है। 70 लाख रुपए का ऑफर तो मिल गया है। सवा करोड़ मिलेंगे, तो बेच भी देंगे। श्रीगंगानगर के गांव श्रीनगर के रहने वाले लालराज सिंह बताते हैं कि इस घोड़े के 30-35 बच्चे हो चुके हैं। ये सभी 7 से 8 लाख रुपए तक की कीमत में बिके हैं। उन्होंने बताया कि घोड़े को चना, जौ और घी देते हैं। घोड़े के कान जुड़े हों, गर्दन लंबी और ताकतवर बॉडी हो तो उसकी डिमांड रहती है।

- एक बार में 50 लीटर दूध पिलाया जाता है घोड़े को

कोरोना के तीन नए पॉजिटिव केस मिले

बीकानेर, (कासं)। जिले में कोरोना की रि एंट्री खतरनाक तरीके से हो रही है। बुधवार सुबह की रिपोर्ट में तीन नए पॉजिटिव केस मिले हैं । जिनमें दो मुरलीधर व्यास कॉलोनी से है जबकि एक आर्मी एरिया से हैं। इसी के साथ जिले में एक्टिव केस की संख्या बढ़ कर पांच तक पहुंच गई है। इससे पहले लगातार एक सप्ताह तक एक्टिव केस शून्य थे। हेल्थ डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में कोरोना के तीन पॉजिटिव बताए गए हैं लेकिन एरिया के नाम नहीं दिए गए।

मुरलीधर कॉलोनी में पॉजिटिव आए दोनों ही रोगी एक ही परिवार से हैं। नए पॉजिटिव में कोई भी बच्चा नहीं है। वहीं जयपुर से बीकानेर आए जिस स्टूडेंट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, उसके संपर्क में आए परिजनों की रिपोर्ट अब तक नेगेटिव है। स्टूडेंट को क्वारेंटाइन किया गया है। बीकानेर के बड़े औद्योगिक परिवार का यह बच्चा जयपुर के जयश्री पेड़ीवाल स्कूल में डे बॉर्डिंग में पढ़ रहा था, जहां एक दर्जन से ज्यादा स्टूडेंट्स पॉजिटिव आ चुके हैं। बीकानेर में कोरोना की रि एंट्री के बाद भी कोरोना गाइड लाइन की पालना नहीं हो रही। खासकर बाजार में नब्बे फीसदी लोग बिना मास्क के ही नजर आ रहे हैं। विवाह आयोजनों में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो रहे हैं।

किन्नर आशा कुंवर ने धूमधाम से कराया कोमल का विवाह

हिजड़ों की हवेली की गादीपति किन्नर आशा पहले 20 बेटियों की शादी करा चुकी है

पाली, (नि.सं.)। पाली के सुराणा धर्मशाला में पाली की कोमल नोखा मंडी के पवन के साथ शुभ मुहूर्त में विवाह बंधन में बंध गई । पाली में मजदूर की बेटी कोमल ने सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में फेरे लिए। इस दौरान लोगों ने फूलों की वर्षा कर तथा नोट बरसा कर दूल्हा-दुल्हन को शादी की शुभकामना दी। उसके बाद दोपहर में नम आंखों से कोमल को विदाई दी गई।

पाली के हिंजड़ों की हवेली की गादीपति आशा कंवर ने कोमल की शादी करवाई। उन्होंने अपनी बेटी मान कोमल को शादी में उपहार के रूप में सोने के 6 तोला आभूषण दिए। इसके साथ ही एलईडी, फ्रीज, वॉशिंग मशीन, पलंग, बर्तन आदि घरेलू आइटम उपहार के रूप में कोमल को दिए। कोमल की शादी के दौरान व्यवस्थाओं में पूरे मोहल्ले के लोग, दुकानदार जुटे नजर आए। जैसे उनकी बेटी की शादी हो। हर कोई व्यवस्था देखते नजर आया। जिससे की कोमल की शादी में किसी तरह की कमी नहीं रहे। 12:00 बजे के बाद जमकर नाचे किन्नर वहां परिजन उसके बाद सब को खाना खिलाया गया उसके बाद दोपहर 3:00 बजे विदाई दी गई। हिजड़ों की हवेली की गादीपति आशा कंवर ने बताया कि इससे पहले उनकी ओर से आर्थिक रूप से कमजोर 20 परिवारों की बेटियों को अपनी बेटी मान शादी करवा चुके हैं। अब 21वीं शादी कोमल की करवा रहे हैं। शादी के बाद भी इनको अपनी देखभाल हमारी जिम्मेदारी मानते हैं।

सुराणा धर्मशाला में शादी की रस्म कराती गादीपति किन्नर आशा।

विद्यार्थियों को आपदा से बचने के तरीके सिखाये

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। एसडीआरएफ राजस्थान की ओर से चलाये जा रहे 20 दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत बुधवार को शहर के चौपड सर्किल के समीप स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विधार्थियों को आपदा से बचने के तरीके बताये।

एसडीआरएफ राजस्थान के सेना नायक पंकज चौधरी के निर्देशानुसार एसडीआरएफ की बटालियन गाडौता जयपुर से वाहन रैली के रूप में रवाना होकर बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंची जहां डेमो व उपकरण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान प्लाटून कमांडर रोशन अली के नेतृत्व में जवानों ने डेमोस्ट्रेशन प्रस्तुत किया जिसमें विधार्थियों व स्कूल के स्टाफ को प्राथमिक चिकित्सा उपचार, भूकम्प, बाढ, दुर्घटना के समय किये जाने वाले उपाय एवं बचाव के बारे में जानकारी दी। इस दौरान एसडीआरएफ के पास उपलब्ध आपदा बचाव राहत उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई।

गेहूं की फसल की रखवाली कर रही महिला पर सांड ने हमला किया, उपचार के दौरान मौत

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। समीप के गांव बाजना कला में गेहूं की सफल की रखवाली कर रही एक महिला पर सांड ने अचानक हमला कर दिया जिसे परिजनों ने उपचार के लिए राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

बाजना कला निवासी जसवंत सिंह लक्ष्मण विनोद भगवान सिंह ने बताया कि बुधवार को सुबह 11बजे करीब बाजना कला के खेतों में खड़ी फसल में 20, 25 आवारा सांड फसल को खाने के साथ रोंद रहे थे। फसल को नुकसान पहुंचाने की जानकारी मिलने पर 45 वर्षीय राधा देवी पत्नी तारा जाट आवारा जानवरों को भगाने गई। इस दौरान एक सांड ने सामने पलट कर महिला राधादेवी पर हमला बोल दिया। सांड ने अपने सीन से महिला के सिर मे टक्कर मारी।जिससे राधा देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी।

सूचना पर पहुंचे परिजनों ने गंभीररूप से घायल महिला को राजकीय अस्पताल मे लाये। जहाँ

गांव बाजना कला में गेहूं की फसल की रखवाली कर रही महिला पर सांड ने हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

डाक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया। सूचना पर सदर थाने के हैडकांस्टेबल प्रेमसिंह. लीलाराम ने परिजनों की ओर मामला दर्ज कर मैडिकल ज्यूरिष्ट डा.पुष्पेन्द्र गुप्ता से पोस्टमार्टम कराके परिजनों को सुर्पुद कर दिया हैं।महिला के दो पुत्र एक.पुत्री हैं।

जिनसे मां का साया छीनने से परिवार मे कोहराम मच गया। महिला राधा देवी के दो पुत्र और एक पुत्री हैं 19 वर्षीय सौरभ 13 वर्षीय पुत्री सुलेखा तथा 11 वर्षीय पुत्र पीयूष है। मां के साथ हुए हादसे की जानकारी मिल कर तीनों बच्चों का रो-रोकर बेहाल हो गये।

उनके सिर से मां का साया छीनने से पूरे परिवार में कोहराम मच गया।पति तारा जाट गहरे सदमे मे आ गया। जिसने भी इस घटना को सुना वह स्तब्ध रह गया। बाजना कला में मृतक राधा देवी के खेत के पास में यशवंत सिंह का भी खेत है। वह भी खेतों में कार्य कर रहा था। राधादेवी के गेहूँ के खेत में आवारा सांडों के झूंड को देखकर खेत से भगाने गई थी।

तभी एक सांड ने पलटकर राधा देवी पर हमला बोल दिया। राधा देवी के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसने आसपास के लोगों का आवाज लगायी और पत्थर लाठी-डंडे लेकर राधा देवी को बचाने दौड़े।तब तक ग्रामीणों को देखकर आवारा सांड भाग गये।

मौके पर पहुंचे और देखा तो राधा देवी के सिर में सांड के सींग के प्रहार लगने से गंभीर रूप से घायल हो गयी। सूचना पर सैकड़ों व परिजन मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल राधा देवी को राजकीय अस्पताल भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

अन्नकूट महोत्सव में भक्तों ने जीमी प्रसादी

भरतपुर, (निस) आज बुधवार को स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला खिरनी घाट भरतपुर में भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा समिति द्वारा अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया तथा भगवान जगन्नाथ जी का फूल बंगला एवं छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। भगवान जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं बहिन सुभद्रा जी की पूजा अर्चना विधि विधान पूर्वक पं. प्रेमी शर्मा द्वारा कराने के बाद महाआरती सुरेश कुमार भट्ट न्यायाधीश श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण के सानिध्य में समिति संरक्षक संजीव गुप्ता, अनुराग गर्ग, अध्यक्ष ओ.पी. गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन मित्तल, महामंत्री महेश चंद सिंघल, कोषाध्यक्ष राजेश चंद, कार्यक्रम संयोजक विष्णु लोहिया, नवरत्न गर्ग, विनोद सिंघल, चन्द्रमोहन गुप्ता एडवोकेट, सीए अतुल मित्तल, ओमप्रकाश गुप्ता, मदन मोहन सर्राफ आदि के द्वारा सम्पन्न हुई। सुनील एण्ड पार्टी द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी के भजनों का सुमधुर गायन किया।

सार-समाचार

युवक ने शनि मंदिर में की तोड़फोड़

गंगापुर सिटी (नि.स)। सवाई माधोपुर रोड स्थित शनिदेव मंदिर में एक युवक मंगलवार देर रात साढ़े 11 बजे के करीब तोड फोड करने व मंदिर का ताला तोडने का प्रयास किया गया। मंदिर के पुजारी सरकार जोशी ने सदर थाना में तोड फोड की शिकायत पेश की हैं। इस घटना की जानकारी मिलने पर मंदिर पर काफी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। यह घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उक्त युवक ने मंदिर का ताला तोडने व चोरी करने का प्रयास किया परंतु उसमें उसे सफलता नहीं मिली। उसने वहां कच्ची दिवार को तोडकर पानी की टंकी को गिरा दिया। बिजली बल्व को तोड दिया। बाहर लगी पट्टी आदि को तोड दिया। मंदिर में रात को कोई नहीं रहता हैं परंतु सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद होने से इस वारदात का पता चल गया। पुलिस मामले की जांच कर रहीं हैं।

हल्ला बोल कार्यक्रम 25 को

भरतपुर, (निस) । भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेश सिंह एवं हल्ला बोल कार्यक्रम के संयोजक गिरधारी तिवारी ने कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ 25 नवम्बर को होने बाले भारतीय जनता पार्टी के हल्ला बोल कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओ के साथ बैठक की ।

सूचना

मैं राज राजेश्वरी स्टोन क्रेशर्स गुनेसरी रजि. नं. RF/KRL/2018/3813 की पार्टनरशिप डीड़ में श्री KK अग्रवाल पृथक हो रहे है एवं श्री मुदित अग्रवाल गोविन्द प्रसाद जिन्दल, राजेन्द्र सारस्वत फर्म में शामिल हो रहे है यदि किसी को ऐतराज हो तो 7 दिवस में कार्या. रजिस्टार आफ फर्मस जि. करौली के यहां अपना ऐतराज दर्ज करावें।

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश संख्या-1 हिण्डौन सिटी

नोटिस हर खास व आम मनोज कुमार शर्मा विरूद्ध हरखास आम आदि प्रार्थना पत्र बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मनोज कुमार शर्मा पुत्र रामस्वरूप शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी बी-248, महेश नगर जयपुर। हाल मेहंदीपुर बालाजी तहसील टोडाभीम जिला करौली ने स्वयं के हक में मृतक माता शान्ति देवी के बकाया राशि पेंशन 7,29,441/-रूपये जो इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड जयपुर राजस्थान पर बकाया है। हेतु अपना उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने बाबत आवेदन किया है। लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के स्वीकार करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 6-1-2022 को समय 10 A.M. बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 10-11-2021 को जारी किया गया। आज्ञा से
सीनियर रीडर अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश सं.-1 हिण्डौन सिटी

पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करवाने की मांग

टोडाभीम (नि.सं.)। कस्बे के वार्ड 13 के पालिका पार्षद यशवंत कुमार गुप्ता के द्वारा विगत दस दिनों से वार्ड की पेयजल आपूर्ति गड़बड़ाने से वार्डवासियों के सामने चल रही भीषण पेयजल समस्या को लेकर एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीणा को दिए गए।

ज्ञापन के माध्यम से बताया कि उक्त समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी उक्त समस्या का आज तक कोइ समुचित समाधन नही किया गया।

मोहल्ले की गड़बड़ाई पेयजल आपूर्ति की समस्या के चलते वार्डवासियों को पेयजल के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है विभागीय अधिकारियों के द्वारा पेयजल समस्या का कोई समुचित समाधान नहीं किया गया। पालिका पार्षद यशवंत कुमार गुप्ता के द्वारा एसडीएम को दिए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से करवाने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर आमजन को पेयजल समस्या से छुटकारा दिलाए।

दूधिया की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

भरतपुर, (निस) । रुदावल थाना क्षेत्र में एक दूधिया मलखान की हत्या करने के मामले में रुदावल थाना पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी देवेंद्र कुमार विश्नोई ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि रुदावल थाना क्षेत्र के गांव बावरी निवासी पूजा पत्नी मुखराम गुर्जर को मलखान की निर्मम तरीके से हत्या करने के लिए साजिश रचने के मामले में इस महिला को गिरफ्तार किया है।

एसपी देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि रुदावल थाना क्षेत्र में मलखान की अज्ञात लोगों के द्वारा 18 नवम्बर को निर्मम तरीके से जंगल में हत्या कर दी गई थी हत्या करने से पहले मृतक को गंभीर चोट देकर यातनाएं दी गई थी इस मामले में एसपी देवेंद्र विश्नोई ने एएसपी राजेंद्र वर्मा बयाना सीओ अजय शर्मा रुदावल थाना अधिकारी मनीष शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। इस मलखान की हत्या के संबंध में उन्होंने बताया कि मलखान दूध का काम करता था मलखान बरोदा गांव एवं

रुदावल थाना क्षेत्र में दूधिया की हत्या करने के मामले में पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बगल में स्थित बाबरी गांव से दूध लेकर डेरी पर डालता था। इस परिवार से 10 साल से दूध लेने की बजह से उसके पारिवारिक रिश्ते हो गए थे और इस परिवार की एक महिला पूजा से मृतक मलखान के 2 साल से अवैध रिश्ते भी बन गए इसी दौरान 3 महीने पहले महिला की दोस्ती गांव के ही एक व्यक्ति से हो गई और उससे भी अवैध रिश्ते बन गए ।मलखान से रिश्ते खत्म करने के लिए महिला ने अपने नए पुरुष मित्र एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर मलखान को खेत से बुला कर हत्या कर दी इस मामले में रुदावल थाना पुलिस ने इस हत्या का खुलासा 5 दिन में ही कर दिया और आरोपी महिला पूजा पत्नी मुखराम गुर्जर 30 साल निवासी बाबरी को गिरफ्तार कर लिया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

समस्याएं निपटाई

सूरौठ (नि.सं.)। तहसील के समीपवर्ती ग्राम मिल्किपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे राज्य सरकार के आदेश अनुसार प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021 बुधवार को आयोजित किया गया शिविर की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी हिंडौन अनूप सिंह व तहसीलदार एच के मीना व ग्राम पंचायत सरपंच भगवत प्रसाद द्वारा की गई।

पुष्पेंद्र गुर्जर लपावली व संदीप तंवर ने बाईजट्ट निवासी त्रिलोक चन्द वशिष्ठ के नेतृत्व में दर्जनो ग्रामीणों ने महिने भर से खराब पडे ट्रांसफार्मर को बदलवाने के लिए बिजली विभाग का ऑफिस चक्कर काटने के बावजूद इस समस्या का समाधान नहीं करने पर ग्रामीणों ने मिल्कीपुर शिविर मे शिविर प्रभारी एसडीएम अनूप कुमार को ज्ञापन सौंपा।

आज धूमधाम से निकाला जाएगा वरघोड़ा

करौली (निं.सं.) जैन समाज की परंपरा के अनुसार दीक्षा ले रहे अरिहंत और भव्या का आज जैन समाज की और से करौली जिला मुख्यालय पर वरघोडा निकाला जाएगा।

करौली में प्रवास कर रहे जैन मुनि धैर्य सुंदर विजय जी के सानिध्य में बड़ा बाजार स्थित पल्लीवाल जैन मंदिर से आज गुरूवार को प्रात: 9:30बजे वरघोडा निकलेगा। धैर्य सुंदर विजय महाराज के साथ निर्मोह सुंदर विजय महाराज,हर्ष सुंदर महाराज और परम सुंदर विजय महाराज भी करौली प्रवास पर हैं। बरघोडा शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगा जहां पर दीक्षा लेने वाले अरिहंत और भव्या का बहू मान किया जाएगा। बर घोडे में सकल जैन समाज के लोग शामिल रहेंगे। जिला मुख्यालय पर जैन समाज में संत आगमन और वरघोडा को लेकर उत्साह का माहौल है। धैर्य सुंदर विजय जी महाराज ने बताया कि भरतपुर जिले में नदबई निवासी भव्या की उम्र करीब 26 वर्ष है जबकि खेडली अलवर निवासी अरिहंत 25 वर्ष के हैं। दोनों की अपनी स्कूली शिक्षा के बाद अध्यात्म में रूचि हुई और साधु मार्ग अपनाने के लिए जैन संतों के संपर्क में आए।

उन्होंने बताया कि अरिहंत की दीक्षा 21 जनवरी को खेडली में और भव्या की दीक्षा 15 जनवरी को नदबई में होगी। इसी प्रक्रिया में आज गुरूवार को उनका करौली में वरघोडा निकाला जाएगा। जनवरी माह में दीक्षा लेने वाले अरिहंत और भव्या विगत कई वर्षों से तप की राह पर हैं।

शिक्षक चलाते है स्कूल में स्मार्ट फोन, आखिर कैसे हो पढ़ाई

करौली/सपोटरा (निं.सं.) राजस्थान सरकार जहां बच्चों को शिक्षा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है वही करौली जिले में एक सरकारी विद्यालय ऐसा है जहां पर विद्यालय के अध्यापक अध्यापिका बच्चों के बीच दिन भर मोबाइल स्मार्टफोन चलाते हैं।

करौली जिले के उपखंड सपोटरा की ग्राम पंचायत बाजना के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रामठरा के सरकारी विद्यालय के अध्यापक अध्यापिका बच्चों को पढाने के बजाय ग्राउंड में स्मार्टफोन चलाते हैं।ग्रामीणों से मिल रही शिकायतों पर हकीकत को जानने के लिए संवाददाता जब राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रामठरा पहुंचा तो स्कूल के ग्राउंड में स्कूल की अध्यापिका और अध्यापक स्मार्टफोन चलाते हुए मिले जैसे ही हमारे संवाददाता ने स्मार्टफोन चलाने की फोटो और वीडियो लेने के लिए कैमरा निकाला तो आनन-फानन में अध्यापिका और अध्यापक अपनी-अपनी क्लासों की ओर जाने लगे लेकिन तब तक दोनों की हरकत कैमरे में कैद हो गई। जब संवाददाता के द्वारा स्कूल में चल रही बच्चों की क्लास में जाकर देखा गया तो वहां पर क्लास में अध्यापक की कुर्सी खाली पडी हुई थी और बच्चे बैठे हुए थे। लेकिन बच्चों को शिक्षा देने बाले गुरुजी नदारद थे। जब संवाददाता ने बच्चों से गुरुजी के द्वारा नहीं पढाने को लेकर पूछा तो बच्चे कुछ नहीं बोले और चुप हो गए। छोटे बच्चे होने के कारण जब संवाददाता ने विद्यालय की कक्षा 6 में जाकर देखा तो वहां पर भी अध्यापक की कुर्सी खाली पडी हुई थी। और बच्चे किताबों को सामने रखकर बैठे हुए थे लेकिन क्लास में बच्चों को पढाने वाला कोई भी मौजूद नहीं था जब संवाददाता ने स्कूल में अध्यापक अध्यापिका के बिना क्लासों में बैठे बच्चों के बारे में प्रधानाध्यापक विजेंद्र गुप्ता से बात की तो उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय में कुल 121 बच्चों का नामांकन है। और विद्यालय में 5 अध्यापक और एक अध्यापिका पदस्थापित है। लेकिन विद्यालय के अध्यापक रामरूप मीणा आज अवकाश पर है। और अध्यापक मुनेश मीणा विद्यालय की डाक लेने तथा पुस्तक लेने बाजना विद्यालय गए हुए हैं। हमारे द्वारा कक्षा 1से 3 और कक्षा 4 व 5 के बच्चो को सम्मिलित रूप से बैठाया हुआ है तथा कक्षा 6, 7 और 8 को अलग-अलग बैठाया हुआ है। जब संवाददाता ने बिना गुरुजी के क्लास में बैठे बच्चे और स्मार्टफोन चलाते अध्यापक अध्यापिका के बारे में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह जादौन से दूरभाष पर बात की तो उन्होंने कहा कि आज मैं छुट्टी पर हूं और यदि स्कूल समय के दौरान अध्यापक अध्यापिका स्मार्टफोन चला रहे हैं तो यह गलत बात है यदि ऐसा है तो मामले की जांच करवाएंगे।

अभियान में 70 पट्टे वितरित किए

टोडाभीम (नि.सं.)। ग्राम पंचायत बौल में बुधवार को आयोजित प्रशासन गांव के संग अभियान में एक ही छत के नीचे सभी विभागों की सुविधाएं प्रदान की गई ग्राम पंचायत सगरबाई मीना एवं ग्राम विकास अधिकारी मुरारीलाल उपाध्याय ने बताया कि ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रशासन गांव के संग शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के द्वारा ग्रामीणों की समस्याए सुनकर मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में कृषि विभाग के द्वारा 35 लोगों के खेतों की मिट्टी के नमूने सैंपल लिए गए, 06 मृदा स्वास्थ्य काडी का वितरण, पौध सरक्षण उपकरण 04, कृषि साहित्य वितरण 900 सहित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पॉलिसी वितरण का 145 किया गया। जन एव स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग के द्वारा पानी के 15 सैंपल लिए गए, जिसमें फ्लोराइड, क्षारीय क्षमता, कठोरता एवं पीएच की जांच की गई।

विकास कार्य केन्द्र सरकार की गाईडलाईन के अनुसार हो : सांसद

करौली (निं.सं.)। करौली-धौलपुर सांसद डॉ मनोज राजोरिया ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति(दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले मे केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विकास कार्य केन्द्र सरकार की गाईडलाईन के अनुसार हो जिससे कि गांव व शहर का सामुहिक रूप से विकास हो सके। आमजन को केन्द्र व राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिये अधिकारी सक्रिय रहकर योजनाबद्ध रूप से कार्य करें। इसके साथ ही उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहर के साथ साथ गांवों में भी चिकित्सा, शिक्षा, सडक,नालिया, साफ सफाई, विद्युत, पेयजल की समुचित व्यवस्था हो और सडकों पर पानी इकत्रित नही हो विद्यालयो का विकास आदि योजनाबद्ध रूप से होंगे तो निश्चित ही गांव में खुशिहाली आयेगी।

करौली कलेक्ट्रेट के सभागार हॉल में अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सांसद डॉ. मनोज राजौरिया ने प्रधानमंत्री सडक योजना मे लंबित कार्यो को शीघ्र

करौली कलेक्ट्रेट में सांसद मनोज राजौरिया ने बैठक को सम्बोधित किया। इस दौरान जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहांग आदि मौजूद थे।

पूरा करने एवं नये सडको के प्रस्ताव बनाने, गांवों में लगाये गये आरओ की स्थिति ठीक करने,जल जीवन मिशन के तहत अधिक से अधिक कनेक्शन करने, मनरेगा, चंबल पेयजल योजना, पालनहार योजना,पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान आदि योजनाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जहां जहा कार्य चल रहे है उनका अधिकारी औचक निरीक्षण करे और इस बात का ध्यान रखे कि विकास कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नही करें यह भी सुनिश्चित किया जायें। गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानते हुए कार्यवाही की जायेगी। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारी को बिजली की समुचित सप्लाई रखने, बकाया कृषि व घरेलू कनेक्शनों को शीघ्र ही जारी करने,नगर परिषद आयुक्त को करौली व हिण्डौन मे सफाई व्यवस्था करने एवं हिण्डौन मे अमृत योजना के संबंध मे पूर्ण सूचना उपलब्ध करवाने, पीएम आवास योजना व स्वच्छ भारत अभियान के सहित अन्य योजनाओं की प्रगति करने, कृषि विभाग के अधिकारी को पीएम फसल बीमा योजना के तहत कृषकों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के साथ साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना,पीएम कृषि सिचांई योजना सहित अन्य योजनाओं के समय पर लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होने सीएमएचओ को संस्थागत प्रसव बढाने,कोरोना टीकाकरण के शत प्रतिशत लक्ष्य के साथ कोरोना के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग के अधिकारी को शिक्षा का स्तर सुधारने, स्कूलों में कम्प्यूटर लैब प्रारंभ करने एवं बच्चों को कम्प्यूटर विषय मे अधिक से अधिक शिक्षित करने एवं रसद अधिकारी को राशन वितरण समय पर करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने केन्द्र व राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिये जिले के समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए आवश्सन दिया।बैठक में जिला परिषद के सीईओं महावीर प्रसाद नायक,अति0 पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद, रसद अधिकारी रामसिंह मीना सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक-800 दिनांक: 24.11.2021

सार्वजनिक आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे लिखित आवेदकों के आगे वर्णित स्थान पर 90ए/90बी के तहत पट्टा चाहा गया है जो निम्न है।

क्रं. सं.	आवेदक का नाम व पता	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल वर्गगज	आवासीय/ व्यावसायिक	आपत्ति प्रस्तुत करने का समय
1.	मुकेश चन्द अग्रवाल पुत्र गिरधारी लाल गुप्ता	गंगापुर	215/588	80	आवासीय	7 दिवस
2.	कमरूद्दीन पुत्र रोशन	गंगापुर	144	140	आवासीय	7 दिवस
3.	जगदीश प्रसाद गुप्ता व मुकेश चन्द गर्ग पुत्र नन्दकिशोर गुप्ता	बाढ सालोदा	14	137.78	आवासीय	7 दिवस
4.	भगवान सहाय कोली पुत्र नाथूलाल कोली	गंगापुर	427	133.33	आवासीय	7 दिवस
5.	ब्राहमानन्द आर्य पुत्र श्यामलाल आर्य	सालोदा	112	97.22	आवासीय	7 दिवस
6.	शफी खां पुत्र शकूर खां	चूली	244 से 249	116.66	आवासीय	7 दिवस
7.	श्रीमति आशा कंवर पत्नि प्रेमसिंह राजूपत	मिर्जापुर	1025, 1029	222.22	आवासीय	7 दिवस
8.	घनश्याम मीना पुत्र बुधराम मीना	हिंगोटया	1077/6	266.67	आवासीय	7 दिवस
9.	श्रीमति विधा देवी पत्नि विमल कुमार	महुखुर्द	43	225.00	आवासीय	7 दिवस
10.	गिर्राज प्रसाद गुप्ता पुत्र रामप्रताप गुप्ता	बाढ सालोदा	14	133.33	आवासीय	7 दिवस
11.	रोशन खान पुत्र शकूर खान	गंगापुर	339,341,348	234.22	आवासीय	7 दिवस
12.	राजेन्द्र कुमार गोयल पुत्र हरिचरण लाल	मिर्जापुर	1171/953	133.33	आवासीय	7 दिवस
13.	पप्पूलाल अग्रवाल पुत्र सूरजमल अग्रवाल	गंगापुर	331	66.66	आवासीय	7 दिवस
14.	नफीसा पत्नि महमूद	ब्रहमवाद	324,325	327.78	आवासीय	7 दिवस
15.	रजनी बाला पत्नि चन्द्रभान	हिंगोटया	20	133.33	आवासीय	7 दिवस
16.	रवि सोनी पुत्र मुरारी लाल सोनी	गंगापुर	508,509	133.33	आवासीय	7 दिवस
17.	सत्यवीर आर्य पुत्र श्यामलाल गोस्वामी	सालोदा	110	67.67	आवासीय	7 दिवस
18.	भगवान सहाय कोली पुत्र नाथूलाल कोली	गंगापुर	427	133.33	आवासीय	7 दिवस
19.	जगमोहनलाल पुत्र मिच्चूराम	सालोदा	444	162.44	आवासीय	7 दिवस
20.	अजय कुमार मीना व अभिषेक मीना पुत्र राजहंस मीना	सालोदा	02	266.67	आवासीय	7 दिवस
21.	हनुमान प्रसाद मंगल पुत्र भरोसी लाल मंगल	उदेईकलां	69,71/5734	133.33	आवासीय	7 दिवस
22.	श्रीमति प्रेम देवी पत्नि कैलाश चन्द कण्डेरा	गंगापुर	292 से 295	133.33	आवासीय	7 दिवस
23.	पलाश अग्रवाल पुत्र ओमप्रकाश	मिर्जापुर	347	140.00	आवासीय	7 दिवस
24.	मुकेश चन्द अग्रवाल पुत्र गिरधारी लाल	नामनेर	61	133.33	आवासीय	7 दिवस
25.	मोहनलाल गुप्ता पुत्र लक्खीराम	सालोदा	108,117	133.33	आवासीय	7 दिवस
26.	श्रीमति अनीता गुप्ता पुत्र हनुमान प्रसाद गुप्ता	उदेईकलां	69,71/5734	133.33	आवासीय	7 दिवस
27.	श्रीमति रजनी बाला पुत्र चन्द्रभान	महानन्दपुर	219	150.00	आवासीय	7 दिवस
28.	गणेश कुमार मीना पुत्र रामकेश मीना	सालोदा	05	106.66	आवासीय	7 दिवस
29.	भवानी सिंह पुत्र गिर्राज सिंह	उदेईकलां	5841	266.66	आवासीय	7 दिवस
30.	रवि सोनी पुत्र मुरारीलाल सोनी	गंगापुर	508,509	133.33	आवासीय	7 दिवस
31.	प्रभूलाल पुत्र गोरधन	गंगापुर	463/663	69.44	आवासीय	7 दिवस
32.	ओमप्रकाश सैन पुत्र कृष्ण गोपाल सैन	मिर्जापुर	430	116.66	आवासीय	7 दिवस
33.	मोहनलाल गुप्ता पुत्र लक्खीराम	सालोदा	116	59.11	आवासीय	7 दिवस
34.	श्रीमति प्रेम देवी पत्नि स्व. आदर्श कुमार	बाढसालोदा	60 से 65,71, 73 से 77,79	116.66	आवासीय	7 दिवस
35.	श्रीमति कृष्णा देवी पत्नि हाकिम सिंह	उदेईकलां	5736	116.67	आवासीय	7 दिवस
36.	श्रीमति नमो देवी पत्नि अमर सिंह गुर्जर	ब्रहमबाद	723/407, 725/408	111.11	आवासीय	7 दिवस
37.	श्रीमति शीला पत्नि घनश्याम मीना	हिंगोटया	1077/06	266.67	आवासीय	7 दिवस
38.	श्री अमर सिंह गुर्जर पुत्र सुग्रीव गुर्जर	ब्रहमवाद	723/407, 725/408	223.61	आवासीय	7 दिवस
39.	श्रीमति माया गुप्ता पुत्र विकास गुप्ता	गंगापुर	470/55	133.33	आवासीय	7 दिवस
40.	रमेश सिंह पुत्र हरि सिंह	सालोदा	397,391, 407,408	133.33	आवासीय	7 दिवस
41.	मुकीम अहमद पुत्र जुम्मा खां	उदेईकलां	5550	266.67	आवासीय	7 दिवस
42.	श्रीमति रीना गोयल पत्नि संतोष कुमार गोयल	उदेईकलां	5728,5729	80.00	आवासीय	7 दिवस

अत: जिस किसी व्यक्ति को उक्त खसरा नम्बरों में पट्टा देने में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो उक्त वर्णित अवधि में परिषद में उपस्थित होकर लिखित रूप में पेश कर सकते है। अंदर अवधि में आपत्ति पेश नही होने पर आवेदकनकर्ता को भूमि का नियमानुसार पट्टा जारी करने की कार्यवाही की जाएगी इसके पश्चात कोई भी आपत्ति नही सुनी जायेगी। सूचित रहे।

आयुक्त
नगर परिषद गंगापुर सिटी

अनूठी शादी: एक साथ छह सगी बहनें बैठी मंडप में, लिए फेरे, बिंदौरी भी निकाली

बेटियों को ब्याहने के लिए तीन गांवों से बारात आई

खेतड़ी, (निसं)। झुंझुनूं के खेतडी के पास चिरानी गांव में एक साथ छह बहनों की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्कूल बस चलाने वाले रोहिताश्व के कुल सात बेटियां और एक बेटा है। रोहिताश्व ने अपनी सात में से छह बेटियों की एक साथ शादी की। इन छहों बेटियों ने एक साथ ही फेरे लिए तो उनकी एक साथ ही घोडी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली। जिसमें ना केवल ये बेटियां, बल्कि उनकी बहन कृपा और भाई विकास गुर्जर ने भी जमकर डांस किया। इन बेटियों को ब्याहने के लिए तीन गांवों से बारात भी आई। जिनकी आवभगत में पूरा गांव ही लग गया। छह सगी बहनों की शादी एक साथ देखकर सभी को अचंभा भी हुआ तो लोग खुश भी हुए। शादी के बाद बहनें अब देवरानी-जेठानी बन गई हैं।

खेतड़ी के चिरानी गांव में शादी के दौरान बेटियों ने भी डांस किया।

विकास गुर्जर ने बताया कि उनके पिता रोहिताश्व स्कूल बस चलाते हैं लेकिन उन्होंने बेटियों को पढ़ाने में कभी कोई कमी नहीं छोडी। उसकी बहन मीना और सीमा ने एमए बीएड कर रखा है। तो वहीं अंजू और निक्की एमएम पास हैं। वहीं योगिता और संगीता ने भी बीएससी कर रखा है। सबसे छोटी बहन कृपा है। जिसकी अभी शादी नहीं हुई है। वह भी बीएससी कर चुकी है।

भाई है राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित:- इन छह बहनों का भाई भी स्काउट्स में राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त कर चुका है। इसके अलावा वह कई गानों के एलबम में भी काम कर चुका है।

पीले ड्रेस, सतरंगी साफे में सजी दुल्हनों ने भी लगाए ठुमके:- पढी लिखी इन बेटियों की शादी के फेरों से पहले जब बिंदौरी निकाली गई। तो भी इन्होंने एक रंग की ड्रेस और लड़कों की तरह साफे सतरंगी साफे बांधे। पहले तो पूरे गांव में बिंदौरी निकाली गई। इसके बाद इन्होंने डीजे पर परिवार के साथ जमकर ठुमके लगाए। बहनों ने काले चश्मे में गांव की गलियों में भी मॉर्डन स्टाइल में डांस किया और अपनी शादी को जमकर एंजॉय किया।

पत्थर व्यवसाई का अपहरण कर फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

रुदावल थाना क्षेत्र से हनीट्रैप में फसाकर किया था अपहरण

भरतपुर, (निसं)। जिले के रुदावल थाना क्षेत्र से हनीट्रैप के जरिये एक पत्थर व्यवसाई का अपहरण कर 30 लाख की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रामवीर गुर्जर पुत्र विजेंद्र निवासी बाड़ी धौलपुर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी रुदावल थाना का हिस्ट्रीशीटर भी है।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि 21 अक्टूबर को

- आरोपी रुदावल थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है

व्यवसायी का अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा।

थाना क्षेत्र के महलपुरचुरा निवासी पत्थर व्यवसाई शिशुपाल का पहले तो हनीट्रैप के जरिये अपहरण किया गया और बाद में उसकी रिहाई के लिए 30 लाख की फिरौती मांगी गई थी लेकिन मामले में भरतपुर व धौलपुर पुलिस की सक्रियता से पत्थर व्यबसाई शिशुपाल को आनन फानन में बदमाशों के चंगुल से रिहा करा कर कैलाशी, हेमसिंह ब सोना नामक बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन मामले का मुख्य आरोपी रामवीर गुर्जर फरार था। विश्नोई ने बताया कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बयाना सीओ अजय शर्मा के निर्देशन में थानाधिकारी रुदावल मनीष शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम के सदस्यों सहायक उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, हेडकांस्टेबल विजयपाल, कांस्टेबल छोटू सिंह, हेमेंद्र, प्रेम, अमित तथा जितेंद्र सिंह मीना ने मुख्य आरोपी 34 वर्षिय रामवीर पुत्र बिजेंद्र गुर्जर निबासी गुमट पुलिस चौकी के पास गुर्जर कालोनी बाड़ी धौलपुर को गिरफ्तार कर लिया।

अभिनेता राहिल खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी में पिछले दिनों राहिल खान द्वारा निर्मित शार्ट मूवी अंधविश्वास को रिलीज करने के किये भव्य समारोह का आयोजन होने जा रहा था। फिल्म यूट्यूब चैनल आर के प्रोडक्शन पर रिलीज होनी थी परन्तु हिन्दू संगठनों द्वारा फिल्म के खिलाफ विरोध व प्रदर्शन शुरू कर दिया गया, विरोध का कारण बताया गया कि फिल्म हिन्दू समाज को अपमानित करने के उद्देश्य से बनाई गई, सनातन धर्म का मजाक उड़ाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जैसे ही विरोध शुरू हुआ राहिल खान ने फिल्म की रिलीजिंग व आयोजन को रद्द कर दिया व कहा कि फिल्म का निर्माण समाज में फैले अंधविश्वास को दूर करने व उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से बनाई गई। फिल्म समाज में अच्छा संदेश देगी। फिल्म में किसी भी धर्म को लेकर कोई टिका टिप्पणी नहीं है और ना ही फिल्म में किसी धर्म को अपमानित करने की कोई मंशा है।

यही बात राहिल खान ने एक ज्ञापन के जरिये एसडीएम व थानाधिकारी को बता दी व स्पष्ट कर दिया कि वह फिल्म को अब प्रशासनिक अधिकारियों व गणमान्य लोगों को दिखाएंगे उसके बाद इजाजत मिली तो रिलीज करेंगे ठीक नहीं तो रिलीज नहीं की जाएगी। राहिल ने यह भी कहा कि जब फिल्म रिलीज नहीं हुई और किसी ने देखी नहीं तो फिर विरोध कैसा।

उधर दूसरे दिन हिन्दू संगठन विश्व हिंदू परिषद ने डीएसपी को ज्ञापन दिया व विरोध जताते राहिल की गिरफ्तारी की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के ज्ञापन के बाद सीआई सत्यनारायण मालव ने राहिल को थाने बुलाया व शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने राहिल की गिरफ्तारी को सही नहीं माना व गिरफ्तार करने वाले सीआई सत्यनारायण मालव को कोर्ट में बुलाया व जवाब तलब किया। सीआई राहिल को गिरफ्तार करने का माकूल कारण नहीं बता सके लिहाजा न्यायाधीश ने पुलिस के इस्तगासे को खारिज करते हुए राहिल खान को रिहा कर दिया।

इस मामले में राहिल खान का कहना है कि मैंने फिल्म रिलीज नहीं की है। फिल्म में किसी भी धर्म का अपमान नहीं किया गया है। मैं फिल्म को प्रशासनिक अधिकारियों व गणमान्य लोगों को दिखाने के बाद ही रिलीज करने का फैसला लूंगा। मेरे खिलाफ दुष्प्रचार करने लिए एक मीडिया संस्थान व उसके संवाददाता के खिलाफ कोर्ट में जाऊंगा।

पैरोल से भागा बंदी बीहड़ों से गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद से फरार हुए सजयाप्ता बंदी को पुलिस ने चम्बल के बीहड़ों से गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार जेल प्रहरी कांस्टेबल सीताराम ने सीता राम कानि.6229 जेल प्रहरी पुत्र सुलतान राम निवासी गांव खादुश्याम जी, सीकर ने रिपोर्ट दी कि दण्डित बंदी चिढ़ि या भैसरेड़गढ़ चित्तौड़गढ़ निवासी भेरू उर्फ भेरूलाल पुत्र धन्नाथ अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीन क्रम 2 शिवर बेगु चित्तौड़गढ़ के प्रकरण में 15 फरवरी 2021 से आजीवन कारवास की सटा कट रहा था। जो 17 अगस्त 2021तक पैरोल पर छूटा था। पैरोल से रिहा होने के बद वापस नहीं लौटा जिसे 5 सितंबर को जेल बंद होने से पूर्व उपस्थित होनाथा। जो फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर सूरजपोल थानाधिकारी आदर्श कुमार के नेतृत्व में गठित दल ने भेरू उर्फ भेरूलल को चम्बल के बीहड़ें से गिरफ्तार किया।

50 लाख रु. मौताणा नहीं मिलने पर की तोड़फोड़

डूंगरपुर, (निसं) चौरासी थाना क्षेत्र में तीन महीने पहले एक युवक की मौत पर 50 लाख का मौताणा तय हुआ था, मौताणा की रकम नहीं देने पर सामने वाले पक्ष के घर तोडफोड और लूटपाट की गई। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। थानाधिकारी भेमजी खांट में बताया कि हमला करने, तोडफोड और लूटपाट करने पर खेमराज पुत्र कानजी खांट, सोमा पुत्र उदा खांट, राहुल पुत्र महेश खांट, बंशीलाल पुत्र हीरा खांट व महेश पुत्र पन्ना खांट निवासी बेडसा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने मौताणा मांगकर तोडफोड और लूटपाट की वारदात करना कबूल किया है।

दो बाइक की टक्कर में हुई थी युवक की मौत:- थानाधिकारी ने बताया कि तीन महीने पहले बेडसा फला कोढ ाला में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। हादसे में शांति पुत्र हीरा ननोमा की मौत हो गई थी और दिनेश पुत्र भूरात ननोमा की बाइक आमने-सामने टकरा गई थी। मृतक के परिवार ने दूसर बाइक सवार युवक दिनेश पुत्र भूरात ननोमा से परिवार से 5० लाख रुपए मौताणा मांगा था। मौताणा तय होने के बाद ही मृतक का अंतिम संस्कार किया गया था। रुपए नहीं मिलने पर 2 अक्टूबर को गटू ननोमा, कालू ननोमा के घरों पर हमला कर दिया। घरों में तोडफोड करते हुए सामान और अनाज बिखेर दिया। सोने-चांदी के जेवरात लूटकर ले गए। तोडफोड और लूटपाट से घरों को भारी नुकसान हुआ।

चौरासी थाना पुलिस ने तोड़फोड़ करने के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मंदनगंज में मार्बल व्यापारी के घर पर डकैती, नगदी सहित 50 रुपए लाख का सामान ले गये बदमाश

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। मदनगंज थाना अंतर्गत राधा कृष्ण विहार कॉलोनी मेंगत रात्रि को हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाश घर वालों को बंधक बनाकर नगदी सहित करीब 50 लाख का माल ले गये।

लुटेरों ने वारदात को अंजाम पर पहुंचाने से पहले अच्छी तरह रैकी कर जानकारी जुटा ली कि घर का मुखिया मार्बल व्यवसायी संजय लखोटिया बेटी का एडमिशन कराने बैंगलोर गया हुआ है। पीछे से रात करीब 2 बजे लुटेरों ने मकान में धावा बोल दिया। वारदात का अहम पहलू यह है कि लुटेरों ने घर में कहा से प्रवेश किया, यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है, हालांकि घर वाले कह रहे हैं कि रसोई के पीछे वाला गेट खुला रह गया, जिसके कारण संभवतया रात्रि 9 बजे एक बदमाश अन्दर घुस गया और रात दो बजे साथियों को बुला लिया।

एसपी विकास शर्मा ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया।

लुटेरों ने घर में घुसने के पश्चात मकान में मौजूद पांचों सदस्यों के साथ मारपीट कर किसी के मुंह पर टेप लगाकर तो किसी को रस्सी से हाथ बांध दिया। दहशत फैलाने के इरादे से माउजर लगे पिस्टल से दूसरी मंजिल पर सो रहे ब्यावर से आये भांजे केशव की कनपट्टी पर पिस्टल तान दी। फिर बड़े ही इम्तिहान से मकान मालिक संजय के पिता सुरेश लखोटिया से पूछा की संजय का कमरा कौन सा है। फिर लूटपाट की वारदात की। पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। थाना प्रभारी मनीष सिंह ने बताया कि होटल कुमकुम के सामने राधा कृष्ण विहार कॉलोनी में रहने वाले मार्बल व्यवसायी संजय लखोटिया बेटी का एडमिशन कराने बैंगलोर गया हुआ था, रात करीब 2 बजे स्विफ्ट कार में सवार मंकी टोपी लगाये हथियारों से लैस चार नकाबपोश बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया।

कल झुंझुनूं आएंगे बंगाल के राज्यपाल

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल जगदीप धनखड़ एक दिन के दौरे पर झुंझुनूं आएंगे। उनके छोटे भाई आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन रणदीप धनखड भी उनके साथ रहेंगे। महामहिम राज्यपाल 26 नवंबर शुक्रवार

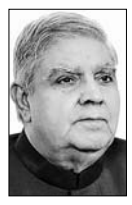

को सुबह साढ़े आठ बजे जयपुर से रवाना होंगे। साढ़े 11 बजे अपने पैतृक गांव किठाना पहुंचकर स्थानीय लोगों से मुलाकात करने के बाद निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे साढ़े 12 बजे किठाना गांव से रवाना होकर दोपहर एक बजे सूरजगढ़ में एक शादी समारोह में शिरकत करेंगे। जहां पर करीब एक घंटे ठहरने के बाद वापिस जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

शहीद तुलछाराम सियाग का हुआ अंतिम संस्कार

बीकानेर, (कासं)। सियाचिन ग्लेशियर में शहीद हुए बीकानेर के नोखा के जवान तुलछाराम सियाग को हजारों नम आंखों ने श्रद्धांजलि दी। सुबह बीकानेर आर्मी एरिया से उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। कई गांवों से होते हुए पैतृक गांव केड़ली पहुंच रही है, जहां पहले से हजारों की संख्या में लोग हाथों में पुष्प लिए इंतजार कर रहे हैं। आज दोपहर ही उनकी पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन हो गई ।

- बीकानेर से नोखा तक हजारों नम आंखों ने दी शहीद को श्रद्धांजलि

तुलछाराम ने सियाचिन ग्लेशियर में ही राष्ट्र सेवा करते हुए मिल्ट्री केंप में सोमवार को दम तोड़ दिया था। उसके बाद से उन्हें मिल्ट्री हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मिल्ट्री हॉस्पिटल से सेना का विशेष दल उन्हें लेकर मंगलवार रात बीकानेर पहुंचा। बुधवार सुबह सेना के ट्रक में तिरंगे में लिपटा तुलछाराम का शव नोखा के केड़ली गांव के लिए रवाना किया गया। केप्टन चंद्र चौधरी सर्किल पर आम लोगों ने व पूर्व सैनिकों ने तुलछाराम को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद जिस गांव से उनका काफिला निकला, वहीं पर पुष्प अर्पित करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

नोखा से केड़ली तक तो बच्चों ने जगह-जगह रंगोली सजाकर शहीद की अंतिम यात्रा के रास्ते में लड़कियों ने रंगोलियों में कहीं तिरंगा दर्शाया तो कहीं वीर जवान की राइफल दिखाई गई। नोखा में तो हजारों की संख्या में लोग इस काफिले में शामिल हुए। नोखा में पूर्व सांसद और पूर्व नेता प्रतिश रामेश्वर डूडी ने पुष्प अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। वहीं केड़ली में उनके निवास पर नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल विधायक मोहनराम, नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई व आत्माराम तर्ड आदि उपस्थित रहे। तुलछाराम के घर के आगे आज सैकड़ों लोग उपस्थित है लेकिन हर तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है। यहां भी बड़ी संख्या में लोग भारत का झंडा हाथ में लिए शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए खड़े हैं।

ट्रोले से 5 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी

बिछीवाड़ा पुलिस द्वारा पकडी गई अंग्रेजी शराब।

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-8 पर राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर 5 लाख की अंग्रेजी शराब पकडी है। तस्कर ट्रोले में सोप स्टोन कट्टो के नीचे शराब की 100 पेटियां छुपाकर गुजरात तस्करी कर ले जा रहे थे। पुलिस ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बिछीवाडा पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी की। डूंगरपुर और उदयपुर से आने वाले वाहनों को रुकवाकर तलाशी ली गई। उदयपुर से आ रहे एक ट्रोले को रुकवाकर चालक से पूछताछ की। उसने सोप स्टोन के कट्टे भरे होना बताया। तलाशी में कट्टो के नीचे शराब की पेटियां भरी हुई थी। ट्रोले को जब्त कर 100 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की। जिसकी बाजार कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई जा रही है।

- गुजरात बॉर्डर पर नाकाबंदी में पकड़े गए 2 तस्कर
- कट्टों के नीचे छुपा रखी थी शराब

ट्रोले के चालक राजसमंद निवासी गणपत वैष्णव और उसके सहयोगी लूमसिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने बताया कि वह शराब को राजसमंद से भरकर गुजरात के मोरबी जा रहे थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

नशे की गोलियों सहित युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं.)। जिले के गांव खखां में बुधवार को नशे में उपयोग होने वाली गोलियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। युवक ये गोलियां लेकर कार से सीमावर्ती गांव खखां से निकला ही था कि पुलिस ने नाकाबंदी कर उसे रोक लिया। तलाशी में उसके पास 3900 नशे में उपयोग होने वाली गोलियां मिलीं। पुलिस ने गंगनहर की पटरी के किनारे मंगलवार देर रात नाका लगाया था। आधी रात के बाद इस इलाके में कार नजर आने पर पुलिस अलर्ट हुई। पुलिस को देखते ही आरोपी में कार घुमाने का प्रयास किया। इस दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

हिन्दुमलकोट थाने के सीआई रामप्रताप ने बताया कि आरोपी पुलिस को देख कार घुमाने का प्रयास करने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। उससे वापस लौटने का कारण पूछा तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर डिग्गी की तलाशी ली गई तो गोलियां बरामद हुई। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम गांव खखां निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र जसवंत सिंह बताया। आरोपी सुरेंद्रसिंह ने ये गोलियां नरेश बिश्नोई से लाना स्वीकार किया है। नरेश बिश्नोई इस समय राजियासर थाना पुलिस की गिरफ्त में है। उसे पुलिस ने पिछले दिनों 22 हजार नशे में उपयोग होने वाली गोलियों के साथ पकड़ा था। उसी ने युवक को 3900 गोलियां दी थीं। नरेश बिश्नोई ये गोलियां फलौदी के रहने वाले शिवकरण बिश्नोई से लाने की बात स्वीकार की थी।

चोरी और नकबजनी के मामले में तीन महिला आरोपियों का गिरोह गिरफ्तार

चोरी का माल खरीदने के आरोप में कचरे के गोदाम मालिक को भी किया गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के सुभाष नगर कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान में से छत भरने के काम में आने वाली लौहे की प्लेटें चुराने के आरोप में राजनगर थाना पुलिस द्वारा तीन महिला आरोपियों के गिरोह व चोरी का माल खरीदने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार गया। पुलिस ने चोरी की प्लेटें बरामद की गई। आरोपी महिलाओं द्वारा इससे पूर्व शहर के कई जगहों पर निर्माणाधीन आवासों व दूकानों से केवल लौहे के सरिये आदि वस्तुओं को चुरा जाना भी स्वीकार किया गया है।

थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि लवाणा निवासी पीडित दिनेश पुत्र वैणीराम कुमावत ने कांकरोली थाने में रिपार्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि वो मकान निर्माण के ठेके लेने का कार्य करता है। उसने सुभाष नगर में एक मकान के निर्माण कार्य को चालू किया था। काम पूरा होने पर छत भराई के लिए मकान पर लौहे की प्लेटें लाकर रखी। जिसमें अलग-अलग साईज के सेट थे। लेकिन 17 नवम्बर को उन प्लेटों में से आधी प्लेटें कोई चुरा कर ले गया। जिस पर उसने आस-पास तलाश करते हुए अन्य ठेकेदारों को भी प्लेट चोरी होने की जानकारी दी। इसके बाद उसने निर्माणाधीन मकान से कुछ दूरी पर लगे सीसी टीवी कैमरों को खंगाला तो उसमें उसे तीन महिलाएं वहां से निकलती हुई दिखी जिस पर उसने महिलाओं पर लौहे प्लोट चोरी किए जाने की आशंका जताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन प्रारंभ कर दी। मामला राजनगर थाना सर्कल का होने पर जांच राजनगर थाने को सौंपी गई। मामले को लेकर एसपी सुधीर चौधरी, एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी बेनीप्रसाद मीणा के निर्देशन एवं थानाधिकारी डॉ. राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया जिसमें सउनि वीरेन्द्रसिंह, कोंस्टेबल वीरेन्द्र, मेहेन्द्र, मुलचंद व महिला कोंस्टेबल अनीता को शामिल किया गया। टीम ने अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर नांदोडा हाल आवारी माता मंदिर राजनगर निवासी चंदा पत्नी सुनीलनाथ जोगी, देलवाडा हाल आवारी माता मंदिर राजनगर निवासी भागू पत्नी औंकारनाथ जोगी एवं लक्ष्मी पत्नी गुड्डुनाथ जोगी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। इस पर महिलाओं ने सुभाष नगर निर्माणाधीन मकान से लौहे की प्लेट चोरी करना स्वीकार किया तथा साथ ही उन्होंने अलग-अलग समय में शहर के अलग-अलग जगहों पर निर्माणाधीन मकानों व दूकानों से चोरी व नकबजनी की कुल पांच वारदातों को अंजाम देना भी स्वीकार करते हुए चोरी के माल को चपलोतों की गली बस स्टेण्ड के पीछे राजनगर स्थित रमेशचन्द्र पुत्र रंगलाल चपलोत की कचरे की दूकान पर बेचे जाने की जानकारी दी। इस पर पुलिस ने रमेशचन्द्र पुत्र रंगलाल चपलोत को चोरी का माल खरीदने के आरोप में गिरफ्तार करते हुए गोदाम से चोरी का माल को बरामद किया।

पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों से लोहे के सरिये चुराने वाली महिलाओं को गिरफ्तार किया।

- रैकी कर मौका पाकर चोरी को अंजाम देती थी तीनों आरोपी महिलाएं
- शहर में निर्माणाधीन कुल 5 जगहों पर की लौहे की वस्तुओं की चोरियां

परसादी बोले शराब पीनी है तो सरकारी पिए, गुढ़ा ने कहा सड़कें तो कैटरीना के गालों जैसी बनें

राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद मंत्रियों के बयान चर्चाओं में छाये

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद जहां मंत्रियों के कामकाज को लेकर चर्चा होनी चाहिए थी, वहीं यह चर्चा उनके बयानों को लेकर हो रही है। एक मंत्री जिनके पास आबकारी विभाग का जिम्मा है, वह जहां शराब को जरूरी बताते हैं, वे कहते हैं कि जहरीली शराब पीने से मरने की बजाय शराब ही पीनी है तो सरकारी पिए। वहीं एक मंत्री अब हेमा मालिनी को बूढ़ी बताते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र की सड़कों को कैटरीना कैफ के गालों की जैसी बनाना चाहते हैं। ऐसे में इन दोनों मंत्रियों के बयानों को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है।

सबसे पहले बात की जाए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा की जो कि सरकारी शराब पीने की सलाह देते हुए शराब को जरूरी भी बता रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है। राजस्थान को लेकिन बिहार नहीं बनने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में शराब पर पाबंदी नहीं लगाएंगे, बल्कि लोगों को जागरूक करेंगे। पटना में शराबबंदी है, फिर भी जहरीली शराब से कितने लोग मर गए। मरने से अच्छा है कि सरकारी शराब पीएं। आबकारी विभाग संभालने वाले मंत्री परसादी लाल मीणा ने यह बातें कहीं।

बुधवार को सचिवालय में पदभार ग्रहण करते समय प्रदेश में शराबबंदी को

- **शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है : आबकारी मंत्री**

लेकर मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बजट में भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 300 से 400 करोड़ खर्च कर जन जागरूकता फैलाएंगे कि जहरीली और देसी शराब ना पीएं। यदि पीना है तो सरकारी शराब पीएं, कोई दिक्कत नहीं है। हरियाणा और पंजाब में पहले शराब बंद की गई थी, जिसे दोबारा शुरू करनी पड़ी है। उन्होंने शराब को लोगों के लिए आवश्यक चीज बताते हुए कहा कि निश्चित तौर पर शराब को उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन जहरीली शराब पर पूरी तरह रोक रखी जाएगी। जिसको शराब पीना है सरकारी दुकान से ले वहां उचित दर में मिलेगी। परसादी लाल मीणा नई आबकारी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि नई नीति से शराब माफिया ने राजस्थान से विदा ले ली है। पहले जिसके ऑक्शन में लॉटरी निकलती थी, वो दुकान को 20-30 लाख रुपए में सबलेट कर देता था। नई आबकारी नीति से शराब माफिया को दिक्कत हो गई है। जनता को कोई तकलीफ नहीं है। नई नीति से रेवेन्यू भी पहले से ज्यादा मिला है। राज्य सरकार का काम नीति बनाना है। सरकार की हर पॉलिसी जनहित में होगी। ऐसी कोई पॉलिसी नहीं बनाई जाएगी जिससे जनता का अहित होता है।

दूसरी ओर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा ने विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की खस्ता हालत के बारे में शर्मनाक और विवादित बात कहते हुए पीडब्लूडी के चीफ इंजीनियर से कह दिया कि मेरे गांव में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

राज्यमंत्री गुढ़ा ने इससे पहले कहा था कि सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी बननी चाहिएं, फिर खुद ही बोले के हेमा मालिनी अब बूढ़ी हो गई हैं, वहां मौजूद लोगों से गुढ़ा ने मौजूदा दौर की अभिनेत्री का नाम पूछा और कहा कि मेरे क्षेत्र में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

स्काउट-गाइड गांधी दर्शन से नई पीढ़ी को जोड़ें : राज्यपाल

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राजभवन में स्काउट गाइड संगठन के नए पदाधिकारियों से मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि स्काउट गाइड संगठन को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के दर्शन और विचारों का प्रसार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन के अंतर्गत आचार व्यवहार की शुद्धता, गरीब बस्तियों में कार्य, स्वच्छता आदि में इस संगठन की अग्रणी भूमिका हो।

राज्यपाल एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संस्था के मुख्य संरक्षक मिश्र बुधवार को यहां राजभवन में संस्था के नए पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था को राज्य के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड इकाई स्थापित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना चाहिए ताकि व्यावहारिक रूप में इसका लाभ सभी स्तरों पर मिल सके। साथ ही, जनजातीय क्षेत्र में भी स्काउट-गाइड इकाइयां बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र का मुख्य सचिव एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। स्काउट-गाइड के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए प्रदेश में स्काउटिंग को नये स्वरूप में स्थापित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पंजीकृत स्काउट गाइड की संख्या 20 लाख तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

रोड की चौड़ाई कितनी भी हो, अदालत ने दिए थे अतिक्रमण हटाने के आदेश : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से सांगानेर फ्लाईओवर के बीच करीब सात किलोमीटर की रोड पर अतिक्रमण के मामले में पूर्व में दिए आदेश पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कोर्ट ने रोड की चौड़ाई के मुद्दे पर गए बिना अतिक्रमण चिन्हित कर उसे हटाने के आदेश दिए थे। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल, मानसरोवर की रिव्यू याचिका को खारिज करते हुए दिए।

रिव्यू याचिका में अदालत के गत जुलाई माह में दिए उस आदेश को संशोधित करने की गुहार की गई थी, जिसमें अदालत ने जेडीए को यहां से एक माह में अतिक्रमण चिन्हित कर तीन माह में अभियान चलाकर उसे हटाने के निर्देश दिए थे। रिव्यू याचिका में कहा गया कि अदालत ने आदेश देने से पहले प्रभावित पक्षों को नहीं सुना। मास्टर प्लान, जोनल प्लान और वास्तविक स्थिति में रोड की चौड़ाई अलग-अलग है।

प्रभारी मंत्री अब हर महीने कम से कम दो दिन जिलों में जनसुनवाई करेंगे

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर हुई राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। बैठक में निर्णय किया गया कि मंत्री सप्ताह के प्रथम तीन दिन सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को जयपुर मुख्यालय पर ही रहकर जनअभाव अभियोग के निराकरण के साथ ही विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे। सभी प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में प्रत्येक माह कम से कम 2 दिन का दौरा करना होगा। इस दौरान वे जनसुनवाई करेंगे और जनप्रतिनिधियों के साथ जिले की समस्याओं, राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे और जिला प्रशासन के साथ इन पर समीक्षा करेंगे।

मंत्रिपरिषद ने आगामी 17 दिसम्बर को राज्य सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों के प्रस्तावित लोकार्पण एवं शिलान्यास पर भी विस्तृत चर्चा की। यह निर्णय किया गया कि सभी मंत्री इस दौरान जिलों में जाएंगे और सफलता के साथ इस कार्य को सम्पादित कराएंगे। इन तीन वर्षों में

- **राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में लिये महत्वपूर्ण निर्णय**
- **सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर आमजन को मिलेगी शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात**
- **एक जनवरी से प्रारंभ होगा शुद्ध के लिए युद्ध अभियान**

राज्य सरकार ने महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों, एससी, एसटी, पिछड़े, अल्पसंख्यक सहित तमाम जरूरतमंद वर्गों की विकास में भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक निर्णय किए हैं। आमजन को इन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी होना आवश्यक है।

मंत्रिपरिषद ने निर्णय किया कि प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए आगामी वर्ष की पहली तारीख से शुद्ध के लिए युद्ध अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जमीनी स्तर तक इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचाया जा सके। इसके लिए सम्बन्धित विभागों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार निवेश के प्रवाह को बढ़ाने एवं प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आगामी 24 एवं 25 जनवरी को इन्वेस्ट राजस्थान सम्मेलन के रूप में एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कोविड के विपरीत प्रभाव से बाहर निकलने तथा आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में इस आयोजन से बड़ी मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने जोर दिया कि कोविड महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सतर्कता तथा कोविड अनुशासन की निरन्तर पालना करना जरूरी है। विगत दिनों में कोरोना संक्रमण के मामलों में कुछ वृद्धि हुई है। विद्यालयों में भी कोविड संक्रमण के मामले आए हैं जिस पर राज्य सरकार चिंतित है और प्रदेश में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षण संस्थानों को लेकर कोविड गाइडलाइन की जानकारी दी।

बामनिया ने किया ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण

जयपुर, (का.सं.)। जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने बुधवार को यहां शिक्षा, कौशल, कौशल प्रशिक्षण और ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें सेंटर निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी।

बामनिया सुबह सांगानेर तहसील के गांव सवाईगेटोर में निर्माणाधीन ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान बलराम मीणा ने राज्य मंत्री को बताया कि उक्त सेंटर के निर्माण के लिए 1799.60 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया 1606. 97 वर्ग मीटर आवंटित भूमि पर सेंटर का निर्माण कार्य राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके तहत बेसमेंट सहित आठ मंजिला भवन बनाया जाना प्रस्तावित है। भवन के प्रथम तल पर जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, आयुक्त एवं अतिरिक्त आयुक्त (तृतीय) सहित अन्य कार्यालय बनाए जाएंगे।

चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का बेहतर प्रबन्धन करें : आर्य

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का अधिकाधिक प्रचार और बेहतर प्रबन्धन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसके अन्तर्गत पंजीकृत परिवारों को सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने योजना के लिए पंजीकृत अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और उनके द्वारा पेश किए गए बीमा दावों के समयबद्ध निपटारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। आर्य बुधवार को यहां शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य स्वास्थ्य बीमा एजेन्सी के गवर्निंग बोर्ड की छठी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि चिकित्सा संस्थानों के बीमा दावों को बीमा कम्पनी द्वारा निरस्त किए जाने पर बड़ी संख्या में अपील के आवेदन किए जाते हैं। राज्य एजेन्सी ऐसे आवेदनों की जांच समयबद्ध रूप से पूर्ण करे।

करतारपुरा नाले की कार्य योजना पेश करने का आदेश दिया कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और जेडीए से करतारपुरा नाले में अतिक्रमण हटाने और उसे पक्का करने की कार्य योजना पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि नाले के विकास के संबंध में चार सप्ताह में पुख्ता योजना बनाकर अदालत में पेश की जाए।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की याचिका पर दिए। याचिका में कहा गया कि करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबे इस नाले में उचित ड्रेनेज सिस्टम का अभाव है। भूमाफियाओं ने नाले में मलबा डालकर उसे कई जगह से पाट दिया है। जेडीए ने 2014 में यह मान लिया था कि उनके पास करतारपुरा नाले का रिकॉर्ड नहीं है। नाले के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने 24 अप्रैल 2015 को जेडीए व राज्य सरकार को निर्देश दिया था लेकिन उन निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। वहीं राज्य सरकार ने कहा कि जमीन निजी खातेदारी की है जिसकी वजह से परेशानी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जनहित में राज्य सरकार और जेडीए को इस संबंध में कार्रवाई करनी चाहिए।

युवा जोश से लबरेज भारतीय जीत के इरादे से उतरेंगे ग्रीनपार्क पर

कोहली, रोहित व राहुल की गैर-मौजूदगी में आज से शुरू होगा पहला टेस्ट, 5 विकेट लेते ही अश्विन तोड़ेंगे भज्जी का रिकॉर्ड

कानपुर 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में मिली 3-0 की जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से युवा जोश से लबरेज भारतीय टीम गुरूवार को यहां ग्रीनपार्क स्टेडियम में दो टेस्टों मैचों की श्रृखंला का आगाज करेगी।

विराट कोहली,रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में अजिंक्या रहाणे की कप्तानी में कीवी टीम से लोहा लेने वाली भारतीय टेस्ट टीम में अनुभव के साथ साथ युवा जोश का संगम देखने को मिलेगा। श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा अंतिम 11 में मौका मिलने पर अपने पदार्पण टेस्ट में खुद के चयन को सही साबित करने के लिये पूरा दम खम दिखायेंगे वहीं ग्रीनपार्क की पिच गेंद और बल्ले से श्रेयस अय्यर और जयंत यादव की परीक्षा लेगी। पिछले कुछ समय से फार्म के लिये संघर्ष कर रहे कप्तान रहाणे और उप कप्तान चेतेश्वर पुजारा के पास कीवी टीम के खिलाफ स्कोरबोर्ड को चलाने का खास दायित्व होगा वहीं विकेट के पीछे का जिम्मा संभालने का जिम्मा कोच राहुल द्रविड़ अनुभवी ऋद्धिमान साहा को देते है या टेस्ट में पदार्पण करने वाले श्रीकर भरत को देते हैं, यह टीम के ऐलान पर पता चलेगा।

इशांत शर्मा के नेतृत्व में उमेश यादव, मोहम्मद सिराज अथवा प्रसिद्ध कृष्णा की धारदार गेंदबाजी दर्शकों के लिये कौतूहल का विषय होगी वहीं अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के अलावा तेज तर्रार क्षेत्ररक्षक रवीन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, जयंत यादव अपनी फिरकी से कीवी टीम को परेशान कर सकते हैं।

मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से अंतिम समय में टीम से बाहर हुये लोकेश राहुल के स्थान पर मयंक अग्रवाल और शुभमन गिल की जोड़ी भारतीय टीम के लिये बल्लेबाजी की शुरूआत कर सकती है। मयंक अब तक 14 मैचों में 45.73 की औसत से 1052 रन बना चुके है जिसमें उनके तीन शतकों में दो दोहरे शतक शामिल है। 2019 में उन्होने बांग्लादेश के खिलाफ 243 रनो का पहाड़ खड़ा किया था जबकि इससे पहले उन्होने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 215 रन बनाये थे। हालांकि शुभमन गिल के बल्ले को पहले शतक का इंतजार है मगर अब तक के आठ मैचों के संक्षिप्त करियर में उन्होने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया है।

मात्र चार टेस्ट खेलने के बावजूद दुनिया भर में अपने प्रदर्शन की धाक जमाने वाले राइट आर्म आफ ब्रेक गेंदबाज जयंत यादव के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड दर्ज है जब उन्होने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया था। 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में जयंत ने 104 रनों की अहम पारी खेली थी। जयंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक एक वनडे मैच खेला है जिसमें उन्होने चार ओवर में महज आठ रन देकर मार्टिन गुप्तिल को चलता किया था।

पिच क्यूरेटर शिव कुमार के अनुसार ग्रीनपार्क की पिच शुरूआत के दो दिन सुबह के सत्र में तेज गेंदबाजों को मदद कर सकती है हालांकि समय के साथ साथ पिच का व्यवहार फिरकी गेंदबाजों के पक्ष में ज्यादा दिख सकता है। पिच को टेस्ट मैच के अनुरूप ढाला गया है जिसमें बल्लेबाजों को भी अपना प्रदर्शन निखारने का भरपूर मौका मिलेगा। सोमवार को यहां पहुंचने के बाद कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रहाणे पिच का जायजा लेने मैदान पहुंच गये थे जबकि मंगलवार को इन दोनो के अलावा गेंदबाजों ने पिच का बारीकी से निरीक्षण किया।

भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने मंगलवार को नेट पर पसीना बहाया और आज सुबह के सत्र में भी भारतीय टीम नेट प्रैक्टिस कर रही है जबकि दोपहर में कीवी टीम मैदान पर अभ्यास करने आयेगी। दोनो टीमें गुरूवार को मैच से पहले अपने अंतिम एकादश की घोषणा करेंगी।

प्रदर्शन के लिहाज से ग्रीनपार्क पर भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्दा रहा है। यहां खेले गये कुल 22 टेस्ट मैचों में भारत को सात में जीत मिली है जबकि तीन में उसे हार का स्वाद चखना पड़ा है। शेष 12 मैचों में हार जीत का फैसला नहीं हो सका। जीत की बात की जाये तो भारतीय टीम ने यहां दो-दो बार ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है जबकि 2009 में टीम को श्रीलंका के खिलाफ पारी और 144 रन से जीत हासिल हुयी थी। ग्रीनपार्क मैदान पर एक पारी में सर्वश्रेष्ठ स्कोर का रिकार्ड भी भारत के पास है।

पाक के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले महमूदुल्लाह ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। बांग्लादेश टीम के स्टार ऑलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है।हालांकि, महमुदुल्लाह वनडे और टी-20 के फॉर्मेट में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट 26 नवंबर से खेला जाना है।महमूदुल्लाह ने टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश टीम की कमान भी संभाली थी। इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश सुपर-12 के अपने सभी मुकाबले हारा था। महमूदुल्लाह के टेस्ट करियर की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ 2009 में हुई थी। इस सीरीज से ठीक पहले वेस्टइंडीज टीम के कई सीनियर खिलाड़ी बोर्ड के खिलाफ हड़ताल पर चले गए थे और वेस्टइंडीज को एक युवा टीम के साथ मैदान पर उतरना पड़ा था। बांग्लादेश टीम ने इस सीरीज में 2-0 से जीतकर इस फॉर्मेट में अपनी पहली विदेशी सीरीज जीती थी। महमूदुल्लाह ने अपने टेस्ट करियर में 50 मैच खेले हैं और 33.49 की औसत से 2914 रन बनाए हैं। महमूदुल्लाह ने अपने करियर में 5 सेंचुरी और 16 हाफ सेंचुरी भी जमाई हैं, साथ ही महमूदुल्लाह के नाम टेस्ट क्रिकेट में 43 विकेट भी हैं। बांग्लादेशी स्टार ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा है कि वो हमेशा से अपने करियर के अच्छे पलों में टेस्ट क्रिकेट को छोड़ना चाहते थे और शायद यह उनके लिए इस फॉर्मेट से संन्यास लेने का सही वक्त है। महमूदुल्लाह ने कहा, "मैं बांग्लादेश के लिए वनडे और टी-20 में अपना अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।"

अहिका और साथियान अगले दौर में, मनिका और शरत हारे

ह्यूस्टन, 24 नवंबर। अमेरिका के ह्यूस्टन में मंगलवार से शुरू हुई आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में भारत की मिलीजुली शुरुआत रही। पहले दिन जहां अहिका मुखर्जी और जी साथियान ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा कर 64वें दौर में प्रवेश किया, वहीं मनिका बत्रा और शरत कमल अपने-अपने मैच हार गए।

अहिका ने मिस्त्र की फराह अब्देल अजीज पर 4-2 (11-7, 14-16, 8-11, 11-6, 11-9, 11-6) से आसान जीत दर्ज की और महिला एकल के 64वें राउंड में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनका अगला मुकाबला जापान की हिना हयाता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता साथियान ने 128वें राउंड में यूक्रेन के यारोस्लाव जमुदेंको को सीधे सेटों में 4-0 (11-2,11-9,11-4, 11-3) से हराया। प्रभावशाली जीत के बाद अब 64वें राउंड में उनका सामना रूस के व्लादिमीर सेदोरेंको से होगा।

इस बीच 30वें रैंक वाले अनुभवी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को बेल्जियम के निचले रैंक के खिलाड़ी सेड्रिक नुयटिंक से 1-4 (11-9, 5-11,6-11, 7-11, 9-11) से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एवं स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर के मैच में कड़े संघर्ष के बावजूद ब्राजील की अपनी प्रतिद्वंद्वी ब्रूना ताकाहाशी को हराने में नाकाम रहीं। उन्हें 3-4, (11-5, 15-13, 8-11, 4-11,6-11, 11-4, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका हालांकि अपनी जोड़ीदार अर्चना कामथ के साथ महिला युगल स्पर्धा में भाग लेंगी, जहां उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।

गौतम गंभीर को 24 घंटे में दूसरी बार मिली धमकी

आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल ने ई-मेल कर परिवार को जान से मारने की बात कही

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को 24 घंटे में लगातार दूसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। गंभीर ने दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी है। गंभीर ने आरोप लगाया है कि उन्हें कश्मीर से जान से मारने की धमकी मिली है। सेंट्रल श्वेता चौहान ने बताया कि इसकी जांच चल रही है। गंभीर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल की ओर से यह धमकी ई-मेल के जरिए दी। गंभीर को यह ई-मेल मंगलवार रात करीब 9 बजे मिला। इसमें उनके परिवार वालों को भी जान के मारने की बात कही गई है। इसके साथ ही बुधवार शाम को भी उन्हें मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है।

टेस्ट सीरीज में हमारे लिए स्पिन गेंदबाजी कड़ी चुनौती होगी : विलियम्सन

कानपुर, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का मानना है कि भारत के खिलाफ 25 नवंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में उनकी टीम के सामने स्पिन गेंदबाजी कड़ी चुनौती होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ी इसके लिए जितनी अच्छी तैयारी कर सकते हैं, कर रहे हैं। विलियम्सन ने मैच की पूर्वसंध्या पर बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कैंप में पहले टेस्ट मैच को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है। हमारी टीम को भारतीय स्पिनर्स को खेलने के लिए एक अलग तरीका अपनाने की जरूरत है। हम भारतीय स्पिन गेंदबाजों की ताकत को जानते हैं। उन्होंने यहां लंबे समय से शानदार गेंदबाजी की है। हमारे लिए एक अलग तरीके से खेलना सही होगा। साथ ही स्कोर करना और साझेदारी का निर्माण करना बेहद महत्वपूर्ण रहेगा।

इंडोनेशिया ओपन : पीवी सिंधु संघर्षपूर्ण जीत के साथ दूसरे दौर में

बाली, 24 नवंबर। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में जापान की अया ओहोरी के खिलाफ तीन गेम तक चले मैच में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधु ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की और एक घंटे 10 मिनट चले मैच में ओहोरी को 17-21, 21-17, 21-17 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत से सिंधु ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अपने प्रभावशाली रिकॉर्ड को 11-0 पर पहुंचा दिया। पिछले सप्ताह यहां जापान की अकाने यामागुची से सीधे गेम में हारने के बाद सेमीफाइनल से बाहर होने वाली दुनिया में सातवें नंबर की सिंधु अगले दौर में जर्मनी की 23 वर्षीय शटलर यवोन ली का सामना करेगी। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय और दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी ली के बीच यह पहला मुकाबला होगा। इस बीच एन सिक्की रेड्डी और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी क्योहेई यामाशिता और नारू शिनोया की जापानी जोड़ी से 7-21, 12-21 से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई।

फ्रांस के स्टार फुटबॉलर को एक साल की सजा, दी थी सेक्स टेप वायरल करने की धमकी

नई दिल्ली, 24 नवंबर। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। उन्हेंसेक्स टेप वायरल करने की धमकी देने और ब्लैकमेल करने के एक मामले में एक साल जेल की सजा सुनाई है। जाहिर है कि इस दौरान वे टीम से सस्पेंड रहेंगे. साथ ही ने बेंजेमा पर 84,000 डॉलर (करीब 62 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया है।

दरअसल, यह मामला 2015 का है। तब कुछ लोग फ्रांस फुटबॉल टीम के प्लेयर को सेक्स टेप वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे थे। इन्हीं आरोपियों में करीम बेंजेमा का नाम भी सामने आया था. अब उन्हें अपनी ही साथी खिलाड़ी को ब्लैकमेल करने के मामले में दोषी भी करार दिया गया और सजा भी सुनाई गई। हालांकि, इस सजा से 33 साल के बेंजेमा का करियर खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। उन पर ज्यादा कोई असर नहीं पड़ने वाला। करीम बेंजेमा स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड के लिए भी खेलते हैं। इसी साल उन्होंने शानदार हैट्रिक गोल दागते हुए अपनी टीम को चैंपियन बनाया था। उनका यह सीजन शानदार रहा है और वे इस साल 29 नवंबर को घोषित होने वाले बैलन डीऑर अवॉर्ड के लिए प्रमुख दावेदार हैं। इस अवॉर्ड की घोषणा पेरिस में होने वाली है।

उदयपुर की लाइफ लाइन फतहसागर झील के इतिहास में पहली बार नवम्बर के महीने में चादर चली है। मावठ की बारिश के कारण झील छलक उठी है। पानी की आवक को देखते हुए बुधवार को सुबह इसके गेट खोले गए। छलकती हुई झील को देखने बड़ी तादाद में लोग फतहसागर पहुंचे।

नवम्बर में पहली बार फतहसागर झील पर चादर चली, चारों गेट खोले

इस साल डेढ़ माह के अंतराल में दूसरी बार फतहसागर छलका

- सुबह 9.30 बजे जिला कलैक्टर की मौजूदगी में चारों गेट एक-एक इंच खोले गए।
- फतहसागर के छलकने से पर्यटन को मिली बूस्टर डोज़।

उदयपुर, 24 नवम्बर (कासं)। लेकसिटी की लाइफलाइन मानी जाने वाली फतहसागर झील में पहली बार नवम्बर माह में चादर चली है। पहले गत 7 अक्टूबर को करीब 48 दिन पहले इस पर चादर चली और मावठ की बारिश से बुधवार सुबह इसमें हुई पानी की आवक को देखते हुए इसके गेट पुन: खोले गए। जिला कलैक्टर व सिंचाई विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में इसके चारों गेट एक-एक इंच खोले गए है। प्रतिदिन रात 9 बजे इसके गेट पुन: बंद कर दिए जाएंगे और रातभर में 13 फीट 4 इंच से ऊपर जलराशि की मात्रा को देखते हुए इसके गेट खोले जाएंगे।

जिला कलैक्टर चेतन देवडा ने बुधवार को फतहसागर झील के गेट खुलवाए। बुधवार सुबह 9:15 बजे एक-एक कर जैसे ही फतहसागर के चारों गेट खुले तो हर कोई इस नजारे को अपनी यादों में हमेशा के लिए कैद करता नजर आया। कलैक्टर देवडा ने इस अवसर पर कहा कि "मैं बहुत किस्मतवाला हूँ कि मुझे अपने कार्यकाल के डेढ़ साल में तीसरी बार फतहसागर के गेट खोलने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। यह निश्चित रूप से हम सब के लिए, उदयपुरवासियों के लिए बहुत खुशी का पल है।

उन्होंने कहा कि उदयपुर अपनी झीलों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यह पर्यटन नगरी है। जब फतहसागर भरता है तो उदयपुरवासियों में एक नई ऊर्जा, खुशी का संचार होता है। यह झील जब भरती है, तो उदयपुरवासियों की खुशियां परवान पर होती है। जिला कलैक्टर ने इससे पूर्व विधि विधान के साथ इससे पहले फतहसागर की पूजा-अर्चना की। इस दौरान राजसमंद जिला कलैक्टर अरविन्द पोसवाल, यूआईटी सचिव अरूण हसीजा, जल संसाधन विभाग से भुवन भास्कर- अतिरिक्त मुख्य अभियंता, ऋषभ कुमार जैन- अधीक्षण अभयंता, कैलाश जैन- अधिशासी अभियंता, जीवनराम मीणा- सहायक अभियंता एवं जगदीश डांगी-कनिष्ठ अभियंता मौजूद रहे।

करोनाकाल के बाद दीवाली के दौरान भी रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक उदयपुर आए थे। अब लेकसिटी सर्दियों की छुट्टियों और नए साल के जश्न के लिए पर्यटकों की मेजबानी के लिए तैयार है। ऐसे में फतहसागर के गेट खुलना पर्यटकों और शहरवासियों के लिए सौगात है। इधर, सीसारमा नदी 2 फीट 10 इंच की वेग से बह रही है ऐसे में पीछोला 2 इंच ओवरफ्लो है और स्वरूपसागर पर चादर चल रही है। चिकलवास हेड 1 फीट 10 इंच बह रही है इसका जल फतहसागर में आ रहा है और जब तक पानी की आवक रहेगी, फतहसागर पर चादर चलेगी।

जयश्री पेड़ीवाल इंटरनैशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली

स्कूलों में करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और मौजूदा हालात को लेकर शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट तैयार की

- इस रिपोर्ट पर सरकार के स्तर पर फैसला किया जाएगा।
- शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षा संकुल में शिक्षा व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की चर्चा की।
- प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए संक्रमित मिले हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजधानी के शिक्षा संकुल में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की अध्यक्षता में स्कूलों में बढ़ते करोना संक्रमण के मामलों और मौजूदा हालात को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की गई। इस पर सरकार के स्तर पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही ऑनलाइन क्लास को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की गई। वहीं इस बीच भांकरोटा इलाके में महापुरा स्थित जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। फिलहाल उसका इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है। इस बीच राज्य में थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए रोगी मिले हैं, जबकि एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद करोना संक्रमण के 14 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले मंगलवार को 23 रोगी पाए गए थे। आज जयपुर, अजमेर व उदयपुर में 3-3, अलवर में 2 तथा बीकानेर, जोधपुर और नागौर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। उधर राज्य के 26 जिलों में संक्रमण कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें से 21 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में बुधवार को 9 रोगी ठीक हुए हैं। हालाकि नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 87 मामले जयपुर और अजमेर में 17 तथा अलवर में 12 केस मौजूद हैं। वहीं 9 जिले बारां, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर कोटा, नागौर, पाली और उदयपुर में 10 से भी कम केस बचे हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से कोई मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में आज फुलेरा, राजापार्क व टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित पाया गया है। वहीं इस बीच जयश्री स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि इस स्कूल में मंगलवार को डे बोर्डिंग सेंटर में रहने वाले 13 बच्चे संक्रमित मिले थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने स्कूल पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों और स्टॉफ सहित 43 लोगों के सैम्पल लिए थे। इनमें से बुधवार को एक छात्रा की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। पॉज़िटिव छात्रा का इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है, और वह एसिम्प्टोमैटिक है। स्कूल में अब तक 14 बच्चे करोना संक्रमित मिल चुके हैं। फिलहाल स्कूल को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है।

इधर दूसरी ओर स्कूलों मे करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने बुधवार को शिक्षा संकुल में विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। डॉ. कल्ला ने कहा कि प्रदेश में फिर से संक्रमण बढ़ने लगा है। और इसकी चपेट में स्कूली छात्र भी आ रहे हैं। स्कूलों के मौजूदा हालातों को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट में स्कूलों में छात्रों की संख्या कम करने और अल्टरनेट डे बुलाने और ऑनलाइन क्लास का प्रस्ताव रखा गया। यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। इसके बाद ही सरकार के स्तर पर ही इस पर फैसला लिया जाएगा। अभी तक निजी स्कूलों में ही करोना के मामले सामने आए हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों में बच्चों के संक्रमित न होना अच्छी बात है। उन्होंने अभिभावकों और स्कूल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि करोना अभी पूरी तरह से गया नहीं है, ऐसे में सभी को भी सतर्क रहना है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा की निजी स्कूलों में कोविड वैक्सीन से लेकर अन्य सुरक्षा के बंदोबस्त किस तरह से किए जा रहे हैं और विभाग की ओर से इनकी क्या मॉनिटरिंग की जा रही है।

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायक ने एक ट्वीट में जोर देकर कहा है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कथित उत्पीड़न को लेकर तथ्यों की जानकारी एवं आंकलन के लिये, उन्होंने ममता के साथ मीटिंग की थी। तृणमूल के ट्विटर हैंडल ने भी ममता के साथ उनकी मीटिंग की पुष्टि कर दी है।

उनके उक्त सहायक ने कहा कि यद्यपि डॉ. स्वामी औपचारिक रुप से तृणमूल में शामिल नहीं हुये हैं, लेकिन वे ममता के पक्ष में तो जा ही चुके हैं। दरअसल, वे अपने राज्यसभा के कार्यकाल के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट को खोना नहीं चाहते। वे अप्रैल 2016 में, राज्यसभा में नामित किये गये थे तथा तब वे भाजपा में शामिल हुये थे। उनका 6-वर्षीय कार्यकाल अप्रैल, 2022 में समाप्त होगा।

ममता के साथ हुई मीटिंग के बाद, एक ट्वीट में उनके द्वारा की गई ममता की प्रशंसा यह दर्शाती है कि वे कुल मिलाकर भाजपा छोड़ना चाहते हैं, जो उनकी कद्र नहीं कर रही है। अपनी ट्वीट में वे कहते हैं: मैं जिन अनेक राजनेताओं से मिला हूँ या जिनके साथ मैंने काम किया है, उनमें से ममता, जे.पी., मोरारजी देसाई, राजीव गांधी, चन्द्रशेखर तथा पी.वी. नरसिम्हा राव जिनका मन्तव्य वही होता था, जो वे कहते थे और वे वही कहते थे, जो उनका मन्तव्य होता था, की श्रेणी की राजनेता हैं। भारतीय राजनीति में यह गुण दुर्लभ है।"

एक अन्य ट्वीट में, डॉ. स्वामी ने गृह मंत्री अमित शाह पर प्रहार करते हुये कहा है कि उन्हें पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कत्लेआम की कोई चिन्ता ही नहीं है। "आश्चर्यजनक बात है कि ए.बी. तथा जी.बी. मुझे ट्वीट कर रहे हैं- बंगाल में हिन्दुओं की हत्या क्यों?" ए.बी. तथा जी.बी. को उनसे पूछना चाहिये क्योंकि वे ही उनके संरक्षक हैं?"

"ए.बी." उन "अंध भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है, जो बिना सोचे-समझे भाजपा या दक्षिण पंथ का समर्थन करते है तथा "जी.बी." "अंध-भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है।

संसद के लिये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह से कार्रवाई की जाए। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि कृषि सुधारों पर काम होना अभी शेष है और इसलिए बेहतर होगी, यदि प्रधानमंत्री संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से एक दिन पूर्व रविवार को एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाकर सर्वानुमति प्राप्त कर लें।

गुरुवार की मीटिंग में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू द्वारा शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय मीटिंग्स में अपनाई जाने वाली रणनीति को अंतिम रुप दिया जाएगा।

कश्मीर में बुधवार को मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 24 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये।

मारे गये आतंकियों में टी.आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि रामबाग इलाके में आज शाम एक संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। पुलिस के एक ट्वीट में कहा, पुलिस ने श्रीनगर में तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गये आतंकवादियों की पहचान और वे किस संगठन से ताल्लुक रखते थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

- मारे गये आतंकियों में टी. आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है।

रायबरेली से कांग्रेस विधायक अदिति सिंह भाजपा में शामिल

अदिति सिंह पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं, वे दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं

- अदिति सिंह के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।

लखनऊ, 24 नवम्बर। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। अदिति सिंह रायबरेली से विधायक हैं, और पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं।

अदिति सिंह पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं, और जीत हासिल करके पहली बार विधानसभा पहुंचीं थीं। सिंह पांच बार विधायक रहे दिवंगत कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं। इनके भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के उस गढ़ में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।

अदिति सिंह भले ही 2017 में कांग्रेस विधायक के रूप में विधानसभा पहुंचीं थीं। लेकिन कई मौकों पर वो अपनी ही पार्टी की जमकर आलोचना करती दिखीं थीं। कई बार उन्हें भाजपा और योगी सरकार की तारीफ और समर्थन करते हुए देखा जा चुका है। इसके साथ ही अदिति एक से अधिक मौकों पर यूपी विधानसभा में भाजपा के पक्ष में मतदान भी कर चुकी हैं।

कोरोना के समय लॉकडाउन में जब कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों के लिए 1000 बसों की व्यवस्था करने की बात कही थी और बसें यूपी बॉर्डर पर पहुंच गई थी, तब अदिति सिंह ने इसकी तीखी आलोचना की थी।

इसके बाद ही अदिति सिंह को कांग्रेस ने पार्टी की महिला विंग से निलंबित कर दिया था। हालांकि अभी तक वो पार्टी में बनीं हुईं थीं, लेकिन पार्टी ने एक तरह से उनसे किनारा ही कर रखा था।

अदिति सिंह से अनुप्रिया पटेल तक, यूपी में पिता की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहीं ये 6 नेता पिछले साल जुलाई में, यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने अदिति सिंह को अयोग्य घोषित करने की कांग्रेस पार्टी की मांग को खारिज कर दिया था।

रायबरेली के विधायक द्वारा महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिन के अवसर पर यूपी सरकार द्वारा आयोजित एक विशेष विधानसभा सत्र में भाग लेने के बाद इन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए कांग्रेस की ओर से एक पत्र अध्यक्ष को लिखा गया था। इस सत्र का कांग्रेस ने विरोध किया था।

पूरे देश में तृणमूल कांग्रेस का प्रसार करेंगी ममता बनर्जी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि किसी भी राजनीतिक दल की तरह देश के हर राज्य में हमारी पार्टी का विस्तार करने का हमें अधिकार है और कोई भी दल हमसे संपर्क करता है तो हम वहां जाने को तैयार हैं। ममता बनर्जी ने बुधवार को यहाँ संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि वह 30 नवम्बर को वह मुंबई में रहेंगी जहां उन्हें एक बिजनेस इवेंट में शामिल होना है। अपने मुंबई दौरे के दौरान वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार से भी मुलाकात करेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के उतरने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की इकाई वहाँ शुरू हो चुकी है। मैं भी चाहती हूँ बनारस में जाऊं और गंगा में दिया जलाऊँ और शिव मंदिर का दर्शन करूँ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव हमसे मदद चाहते हैं तो हम ज़रूर करेंगे। ममता बनर्जी से जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बारे में पूछा गया तो वह बोलीं, मैंने किसी से मिलने के लिए समय नहीं मांगा था।

भारत में महिलाओं की प्रजनन क्षमता कम हुई

पांचवे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश में राष्ट्रीय औसत के अनुसार पहले हर महिला औसतन 2.2 बच्चों को जन्म दे रही थी जो अब घटकर 2.0 हो गई है

- चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है।
- मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत (2.0) से कम है।

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। देश में गर्भनिरोधकों का प्रयोग बढ़ रहा है और महिला प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम में यह दावा करते हुए कहा गया है कि देश में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) राष्ट्रीय स्तर पर प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। सर्वेक्षण में शामिल सभी 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिला प्रजनन दर 1.4 से लेकर 2.4 दर्ज की गयी है। चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से कम है।

सर्वेक्षण के अनुसार समग्र गर्भनिरोधक प्रयोग दर (सीपीआर) अखिल भारतीय स्तर पर 54 प्रतिशत से 67 प्रतिशत तक बढ़ गई है। लगभग सभी राज्यों और केंद्र प्रशासित प्रदेशों में गर्भ निरोधकों के आधुनिक तरीकों का उपयोग भी बढ़ा है।

नीति आयोग के सदस्य-स्वास्थ्य डॉ वी के पाल और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम के दूसरे चरण के अंतर्गत जनसंख्या, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण और अन्य पर प्रमुख संकेतकों की 'फैक्टशीट' जारी की। इस सर्वेक्षण में 14 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल किये गये हैं। पहले चरण में शामिल 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में सर्वेक्षण के निष्कर्ष दिसंबर, 2020 में जारी किए गए थे।

कृषि कानून ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए साधन अधिक मायने रखते हैं। मित्रा एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और कृषि पर सरकार के अत्यधिक नियंत्रण का विरोध कर रहे हैं।

वे कहते हैं कि कृषि कानून सिर्फ इसलिए विफल नहीं हुए कि इनके उद्देश्यों को लेकर काफी वैचारिक ध्रुवीकरण था बल्कि ये इसलिए विफल हुए, क्योंकि जून 2020 में अध्यादेशों के जरिए नाटकीय साधन अपनाए गए और फिर सितम्बर 2020 में इन्हें संसद से पारित करवाया गया। मित्रा कहते हैं कि "कृषि सुधार" पहल की बानगी ये थी कि इसमें संसदीय प्रक्रिया की पूर्णतया उपेक्षा की गई और यह भी कि इसके प्रमुख हित धारकों से भी किसी अर्थपूर्ण संवाद या विचार-विमर्श से ठोस इंकार किया गया। मनमाने साधनों के कारण अन्तत: नीति ही धराशाई हो गई। वे कहते हैं कि सुधारों का दावा करते वक्त क्या यह अपनाए गए साधनों का गुणगान करने में हुई विफलता है और वहीं सुधारों के पूरे विचार को बदनाम कर रही है।

'एस.सी. एवं एस.टी. वालों के साथ आई.आई.टी. संस्थानों में भेदभाव?'

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, एस.सी. व एस.टी. के छात्रों के दाखिले एवं शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी की जाती है

- याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है।
- संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने देशभर के सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में आरक्षण नियमों की कथित अनदेखी एवं विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने के आरोपों पर केंद्र सरकार को बुधवार को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने एक रिट याचिका पर सुनवायी के बाद केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता डॉ. सच्चिदानंद पांडेय की सभी 23 आईआईटी में भर्ती एवं दाखिले में समुचित तरीके से आरक्षण की नीति लागू करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग पर केंद्र सरकार को अपना जवाब देने को कहा है।

वकील अश्वनी कुमार दुबे ने डॉ पांडेय की ओर से दायर याचिका में आरक्षण लागू करने में भेदभाव के अलावा प्रताड़ना और इसकी वजह से बड़ी संख्या में होनहार विद्यार्थियों के खुदकुशी करने जैसे कई गंभीर आरोप लगाये गये हैं। याचिकाकर्ता ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ी जातियों के संकाय सदस्यों की भर्ती और शोध विद्यार्थियों के दाखिले में कथित तौर पर कानून की अनदेखी तथा प्रताड़ना के आरोप लगाये गए हैं। याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है। आश्चर्य यह कि इस मामले में देश के इन प्रतिष्ठित संस्थाओं की ओर से कभी भी वास्तविक कारण नहीं बताये गये। संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि में विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।

याचिकाकर्ता ने संकाय सदस्यों के कामकाज के मूल्यांकन तथा तय मानकों के मुताबिक काम नहीं करने वालों को उनके पद से हटाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित करने का आदेश केंद्र को देने की मांग की गई है।

फिज़िकल सुनवाई के लिए 114 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय में फिजिकल सुनवायी की व्यवस्था सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार तक) पुन: लागू करने की मांग करते हुए यहां के 114 वकीलों ने हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्य डी. के. ठाकुर एवं अन्य की याचिका पर शीघ्र सुनवायी की गुहार स्वीकार कर ली। शीर्ष अदालत में इस याचिका पर छह दिसंबर को सुनवायी होगी।

याचिकर्ताओं की ओर से 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' एस. सिंह ने आज पीठ के समक्ष 'विशेष उल्लेख' के तहत वर्चुअल सुनवायी के दौरान होने वाली परेशानियों एवं कानूनी पहलुओं का जिक्र करते हुए इस मामले में शीघ्र विचार करने का निवेदन किया।

वकीलों ने 'ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ जुरिस्ट एवं अन्य बनाम उत्तराखंड उच्च न्यायालय' मामले (रिट याचिक) में हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

वकीलों का कहना है कि वर्चुअल सुनवायी के दौरान कई तरह की तकनीकी परेशानियों का सामना करने के साथ ही जूनियर वकीलों को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कई अन्य तर्क दिये गए हैं।

उन्होंने फिजिकल सुनवायी की मांग के समर्थन में सीपीसी-1908 की धारा 153बी और सीआरपीसी-1973 की धारा 327 का हवाला देते हुए आपराधिक एवं सिविल मामले की सुनवायी को आवश्यक बताया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908